संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 326
पृष्ठ 8
बुधवार
20 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- झड़ते बालों से पाएं छुटकारा, घर...   विचार- अभी कई चुनौतियों से निपटना होगा   खेल- एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय...

देश हित की कीमत पर नेहरू ने अपनी छवि चमकाई, सिंधु जल संधि को लेकर बोले पीएम मोदी

- पंडित नेहरू पर पीएम मोदी ने साधा निशाना
- बुधवार को नामांकन कर सकते हैं राधाकृष्णन

नई दिल्ली। मंगलवार को नई दिल्ली में एनडीए की बैठक हुई, जिसमें एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन के सार्वजनिक जीवन की तारीफ करते हुए विपक्षी समेत सभी पार्टियों से अपील की कि सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्विरोध चुना जाए। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने सिंधु जल संधि के लिए देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की आलोचना भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने देश की संसद और अपनी कैबिनेट को भी भरोसे में लिए बगैर पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएम मोदी ने कहा कि पंडित नेहरू ने देश हित की कीमत पर अपनी छवि चमकाई और देश 80 फीसदी से ज्यादा पानी को पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार ने सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार उस समय की सरकारों द्वारा किए गए पापों को साफ कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरू ने अपने एक सहयोगी से कहा था कि इस समझौते (सिंधु जल समझौते) से भारत–पाकिस्तान के बीच के अन्य मुद्दों और विवादों को हल करने में मदद मिलेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स के हालिया फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें भारत की लॉन्ग टर्म सॉवेरिन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है और इस रेटिंग से देश में निवेश बढ़ेगा। एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन बुधवार को नामांकन कर सकते हैं। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पीएम मोदी ने सभी पार्टियों से अपील की है कि वे सीपी राधाकृष्णन को समर्थन दें ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि सीपी राधाकृष्णन निर्विरोध उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हो सकें। रिजिजू ने कहा कि राधाकृष्णन का जीवन बेहद सरल और किसी भी विवाद से दूर रहा है। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद पर चुना जाना पूरे देश के लिए खुशी की बात होगी। भाजपा नीत एनडीए के पास संसद में बहुमत है। ऐसे में उपराष्ट्रपति चुनाव के इलेक्टोरल कॉलेज में भी एनडीए का बहुमत है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीपी राधाकृष्णन आराम से जीत दर्ज करेंगे।

राजस्थान के कोटा–बूंदी में 1,507 करोड़ की लगात से बनेगा नया हवाई अड्डा

कैबिनेट से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनैट की बैठक में मंगलवार को कई बड़े फैसले लिए गए। सरकार ने राजस्थान के कोटा–बूंदी में 1507 करोड़ रुपये की लागत से नया हवाई अड्डा बनाने का एलान किया है। केंद्रीय कैबिनेट ने ओडिशा के कटक और भुवनेश्वर में छह लेन की एक्सेस–नियंत्रित रिंग रोड बनाने की भी मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर 8,307 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को कुल 9,814 करोड़ रुपये की परियोजनों को अपनी मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कैबिनेट में लिए गए इन फैसलों की जानकारी दी है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने मंगलवार को राजस्थान के कोटा–बूंदी में 1,507 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक नया हवाई अड्डा स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। वैष्णव ने कहा कि ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की ओर से वित्त पोषित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि हवाई अड्डे के लिए 1,089 एकड़ जमीन राजस्थान सरकार मुफ्त में उपलब्ध कराएगी। नए हवाई अड्डे की क्षमता प्रति वर्ष 20 लाख यात्रियों को संभालने की होगी। वैष्णव ने कहा कि हवाई अड्डा क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय सुधार करेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। एएआई इस परियोजना का वित्तपोषण अपने आंतरिक स्रोतों से करेगा और इसके 24 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से दोगुनी से भी ज़्यादा बढ़कर 2025 में 162 हो गई है। उन्होंने कहा कि हवाई यात्रियों की संख्या भी 2014 के 16.8 करोड़ से बढ़कर इस वर्ष 41.2 करोड़ हो गई है। वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ओडिशा में हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर छह लेन की एक्सेस–कंट्रोल्ड कैपिटल रीजन रिंग रोड (भुवनेश्वर बाईपास) के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल पूंजी लागत 8,307. 74 करोड़ रुपये होगी। वर्तमान में, मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामेश्वर और तांगी के बीच संपर्क अत्यधिक शहरीकृत शहरों खोरधा, भुवनेश्वर और कटक से होकर गुजरने वाले उच्च यातायात के कारण काफी भीड़भाड़ का सामना करता है।

‘दिल्ली मित्र’ ऐप लॉन्च करेगी रेखा गुप्ता सरकार, कैबिनेट की बैठक में फैसला, अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे नागरिक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैबिनेट के द्वारा दूसरा बड़ा फैसला लिया गया है। इस फैसले के मुताबिक ‘दिल्ली मित्र’ ऐप लॉन्च किया जाएगा। नागरिक इस पोर्टल पर सीधे अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। गौरतलब है कि इस ऐप का विचार आम लोगों ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लिखे एक प्रस्ताव पत्र में सुझाया था, जिसे अब कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इससे पहले आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना बाज़ार स्थित रिहायशी इलाके का दौरा किया, जहाँ उफनती यमुना नदी का पानी घुस गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली में बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं है और एक–दो दिनों में जलस्तर कम हो जाएगा। प्रभावित क्षेत्र का आकलन करने के बाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। सुबह जलस्तर 206 मीटर के करीब था, लेकिन अभी तक यह इस स्तर को पार नहीं कर पाया है। एक–दो दिन में पानी कम हो जाएगा। हम यहाँ भोजन–पानी के साथ–साथ चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। दिल्ली में बाढ़ की कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने उन लोगों के लिए स्कूलों में व्यवस्था की है जो सुरक्षित स्थान पर जाना चाहते हैं, उन्हें रहने की जगह और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही प्रभावित क्षेत्र में सभी आवश्यक सहायता भी प्रदान की जा रही है। यमुना नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है, और इसी वजह से नदी किनारे के रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया है।

क्या वे घुसपैठियों को मतदाता के रूप में चाहते हैं? राहुल गांधी पर रविशंकर प्रसाद का वार

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में चल रही कांग्रेस की ‘मतदाता अधिकार यात्रा’ के बीच, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर घुसपैठियों और मृत लोगों के नाम मतदाता सूची में बने रहने की इच्छा रखने का आरोप लगाया। प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने पेगासस और राफेल जैसे प्रमुख मुद्दों पर लोगों को गुमराह किया है। एएनआई से बात

करते हुए, रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वे क्या चाहते हैं– घुसपैठियों को मतदाता बनाया जाए? जो लोग मर चुके हैं उन्हें मतदाता के रूप में रखा जाए? क्या दो जगहों पर सूचीबद्ध लोगों को मतदाता के रूप में रखा जाना चाहिए? वे क्या चाहते हैं? वे अभी तक अपना रुख स्पष्ट नहीं कर पाए हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मैं राहुल गांधी से एक बात कहना चाहता हूं, आपने पेगासस का मुद्दा उठाया, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, कहा गया कि जिन्हें समस्या है वे अपना फोन जांच के लिए दें, लेकिन आपने अपना नहीं दिया। राफेल मुद्दे पर आपको सुप्रीम कोर्ट के सामने माफी मांगनी पड़ी...देश आपको कभी माफ नहीं करेगा। जिस तरह से आपने संसद का अपमान किया है, आपको कभी वोट नहीं मिलेंगे। लोजपा (रामविलास) सांसद शांभवी चौधरी ने भी विपक्ष के अभियान की आलोचना करते हुए कहा कि इससे उनके गठबंधन को कोई फ़ायदा नहीं होगा। चौधरी ने कहा कि इस यात्रा से उनके गठबंधन को कोई फ़ायदा नहीं होगा। बिहार की जनता ने पूरी तरह से मन बना लिया है कि वे सिर्फ़ उन्हीं को वोट देंगे जिन्होंने बिहार में विकास किया है। उन्होंने चुनाव आयोग पर जो भी आरोप लगाए हैं, उन्हें समझना चाहिए कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उन्होंने विपक्ष पर बिना किसी ठोस सबूत के षनिराधार आरोपष लगाकर चुनाव आयोग की गरिमा को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया।

अगली बार राहुल गांधी को पीएम बनाएंगे

वोटर अधिकार यात्रा में तेजस्वी यादव का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए विपक्ष मिलकर काम करेगा। उनकी टिप्पणी से इस बात के स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि 2029 के आम चुनावों में राहुल गांधी को इंडिया ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया जा सकता है। राजद नेता ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव होने पर हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की दिशा में काम करेंगे। बिहार के नवादा में श्मतदाता अधिकारश रैली का नेतृत्व करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मौजूदगी में यादव ने यह टिप्पणी की। रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी को राज्य चलाने का मौका मिले। यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार श्खटाराश हो गई है और इसे तुरंत बदलने की ज़रूरत है। युवाओं को अब मौका मिलना चाहिए... हमारे पास बिहार के लिए एक विज़न है। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और जर्जर सरकार को सत्ता से हटाएँगे और अगले लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएँगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास बिहार के लिए दृष्टिकोण हैं। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और खटारा सरकार को सत्ता से हटाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें। भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने भी इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के कारण यह यात्रा चल रही है। इसलिए, राहुल गांधी ने वहाँ पहुँचते ही उन्हें (तेजस्वी यादव को) बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया। क्या सिर्फ़ बातें करने से कोई फ़र्क़ पड़ता है?...मुझे लगता है कि यह उनकी बातें करने की कला है, आप इसे व्यंग्य भी कह सकते हैं...ये दोनों (टिप्पणियाँ) वास्तविकता से कोसों दूर हैं। यादव ने दोहराया कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। उन्होंने कहा, एसआईआर वोटों की डकैती है और हम ऐसा नहीं होने देंगे। यह बिहार में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की सत्तारूढ़ दल की साजिश है।

फिर विवादों में घिरे बालमुकुंद आचार्य, मुस्लिम युवक से कहा–वंदे मातरम् बोलो

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के विधायक बालमुकुंद आचार्य द्वारा एक शिक्षक को वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाने से कथित तौर पर इनकार करने पर फटकार लगाने का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना इस महीने की शुरुआत में जयपुर के वैशाली नगर स्थित एक होटल में हिंदुस्तान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित एक निजी सम्मान समारोह के दौरान हुई थी। शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर के स्कूलों के अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें 100 शिक्षक भी शामिल थे। आचार्य की हरकतों, जिसमें शिक्षक से बार–बार पूछताछ भी शामिल थी, ने काफी ध्यान आकर्षित किया है। महाराष्ट्र के अंसारी मोहम्मद राशिद नामक शिक्षक को उनकी दाढ़ी से मुसलमान बताते हुए, आचार्य ने उनसे वंदे मातरम का नारा लगाने पर ज़ोर दिया। राशिद के कथित इनकार के कारण ही आचार्य ने कार्यक्रम के दौरान इस मुद्दे पर बार–बार ज़ोर दिया।

भारत चीन संबंधों में आये सुधार से आगे बढ़ने में मदद मिली : डोभाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा है कि भारत और चीन के शीर्ष नेतृत्व के बीच पिछले वर्ष हुई बातचीत के बाद से आपसी संबंध मजबूत हुए हैं और इससे दोनों देशों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिली है। श्री डोभाल ने भारत यात्रा पर आये चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ मंगलवार को यहां विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की 24वें दौर की बैठक से पहले अपने प्रारंभिक वक्तव्य में श्री वांग और उनके साथ आये शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले नौ महीनों में सीमाओं पर शांति और सौहार्द के कारण संबंध और भी मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा ,” पिछले नौ महीनों में एक सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। सीमाएँ शांत रही हैं। शांति और सौहार्द कायम रहा है। हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी मज़बूत हुए हैं। हम अपने

नेताओं के प्रति अत्यंत आभारी हैं, जिन्होंने गत अक्टूबर में कज़ान में एक नई दिशा स्थापित की, और तब से हमें बहुत लाभ हुआ है। जो नया माहौल बना है, उसने हमें उन विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने में मदद की है जिन पर हम काम कर रहे हैं।” विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की इस वार्ता के सफल रहने की उम्मीद जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही चीन की यात्रा पर जायेंगे और ऐसे में यह वार्ता और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा, ”मुझे पूरी उम्मीद है कि पिछली वार्ता की तरह, यह 24वीं विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की वार्ता भी उतनी ही सफल होगी। हमारे प्रधानमंत्री जल्द ही एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन जायेंगे और इसलिए, मुझे लगता है कि ये विशिष्ट प्रतिनिधि स्तर की वार्ताएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं।” श्री डोभाल ने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने का भी उल्लेख किया और कहा कि इस पड़ाव पर भारत और चीन के संबंधों में घनिष्ठता आयेगी। विदित हो कि भारत यात्रा पर आये श्री वांग ने सोमवार को विदेश मंत्री डॉ एस़ जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी।

अमूल दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला ब्रांड : शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में आज कहा कि अमूल को दुनिया के सबसे सशक्त खाद्य और डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया गया है और यह दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला ब्रांड है। श्री शाह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडी) पोर्टल के अनुसार गुजरात में 15740 डेयरी सहकारी समितियां कार्यशील है।

गुजरात में एक सुविकसित डेयरी सहकारी नेटवर्क है जिसका नेतृत्व गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (अमूल) करता है जिसमें 18 जिला संघ और 36 लाख से अधिक सदस्य शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में गुजरात से अमूल अपने सहकारी नेटवर्क के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 250 लाख लीटर दूध प्राप्त करता है जिससे गुजरात देश के अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्यों में से एक बन गया है। अमूल को दुनिया के सबसे सशक्त खाद्य और डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया गया है और सालाना 24 अरब पैक बिकने के साथ यह दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला ब्रांड है। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के तहत गुजरात को 515 करोड़ के कुल परियोजना परिव्यय के साथ 315 करोड़ की अनुदान सहायता प्राप्त हुई है जिसके परिणामस्वरूप 2052 बल्क मिल्क कूलर, 4309 स्वचालित दूध संग्रहण प्रणालियां और दूध में मिलावट का पता लगाने वाली एक हजार मशीनें स्थापित की गयी हैं।

पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी होंगे विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

नयी दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्षी दलों के उम्मीदवार के रूप में श्री रेड्डी के नाम का एलान किया। इस दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, द्रविड मुनेत्र कषगम की कनिमोझी तथा तिरुचि शिवा, शिव सेना (उद्धव) के अरविंद सावंत तथा संजय राउत, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पी संदोष कुमार, कांग्रेस के के सुरेश, के सी वेणुगोपाल तथा प्रमोद तिवारी, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्ररन, आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव सहित कई नेता मौजूद थे।

संस्थापित 2001   संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना
हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक   ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन
शहर समता
प्रयागराज से प्रकाशित
संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय
पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002
M.: 9005239332, 9450482227
E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

रोडवेज की बसें न चलने से जान जोखिम में डालकर शहर का सफर तय कर रहे ग्रामीण

प्रयागराज। सोरांव तहसील मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य, रजिस्ट्री कार्यालय के एसीपी कार्यालय सोरांव में स्थित है। परन्तु प्रयागराज शहर जाने के लिए ग्रामीणों के साथ कर्मचारियों के लिए रोडवेज बस की सुविधा नहीं है। ब्लॉक में तैनात शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ कर्मचारियों को प्रयागराज शहर से सोरांव आने जाने के लिए विक्रम, टेंपो के अलावा कोई साधन उपलब्ध नहीं। ग्रामीणों के साथ कर्मचारी जान हथेली पर रखकर डग्गामार वाहन की सवारी करने को मजबूर हैं। सोरांव के साथ आस बाजारों के व्यापारी प्रयागराज शहर आने जाने के लिए निजी साधन न होने पर विक्रम टेंपो का सहारा लेना मजबूरी बन गई।

उसके बावजूद रोडवेज विभाग सोरांव मुख्यालय से बस का संचालन नहीं कर रहा है। सोरांव के लोगों ने कई बार इलेक्ट्रिक बस चलाने की मांग किया परंतु आश्वासन के अलावा आज तक सुविधा नहीं मिल पाई। जनपद प्रयागराज मुख्यालय से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोरांव तहसील आलू का कटोरा कहा जाता है। सोरांव के किसान आलू की बंपर पैदावार कर भारत के कई प्रान्तों में आपूर्ति करते हैं। सोरांव तहसील मुख्यालय से किसानों को आने जाने के लिए सरकारी बस की सुविधा नहीं है। सोरांव तहसील मुख्यालय से जुड़े दर्जनों गांव के ग्रामीण सोरांव से डग्गामार वाहन के सहारे प्रयागराज शहर जाने को मजबूर हैं। तीन पहिया वाले डग्गामार वाहनों के चालक मनमानी किराया वसूल करते हैं। आए दिन डग्गामार वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। तहसील के अधिवक्ता एवं क्षेत्रीय लोगों के पास डग्गामार वाहन के अलावा कोई विकल्प नहीं है। प्रतापगढ़, सुल्तानपुर से आने वाली रोडवेज बसें प्रयागराज शहर जाने के दौरान सोरांव में नहीं रुकती है। जिसके कारण सोरांव तहसील के सैकड़ों गांवों के लोग डग्गामार वाहन की यात्रा करने को मजबूर हैं। महाकुंभ से पूर्व होता था रोडवेज बसों का संचालन महाकुंभ से पूर्व सोरांव से प्रयागराज के लिए रोडवेज बस का संचालन होता था। हर आधे घंटे में एक बस

का आवागमन होने से क्षेत्रीय लोगों के साथ व्यापारियों को प्रयागराज शहर जाने–आने में सुविधा मिलती थी। महाकुंभ के बाद से सोरांव क्षेत्र पूरी तरह रोडवेज की सरकारी बस कनेक्टिविटी से दूर हो गया। ग्रामीण जान को जोखिम में डालकर डग्गामार वाहन के सहारे प्रयागराज शहर की यात्रा कर रहे हैं। इन मार्गो पर नहीं होता है रोडवेज बसों का संचालन महाकुंभ के बाद से सोरांव तहसील से जुड़े आधा दर्जन प्रमुख रूट रोडवेज बस की कनेक्टिविटी से दूर हो गए। प्रयागराज शहर से वाया सोरांव, दहियावां बाजार, प्रयागराज शहर से वाया सोरांव नेवादा, न्यायीपुर होलागढ़, प्रयागराज शहर से वाया सोरांव कलंदरपुर कमलानगर, प्रयागराज शहर से वाया सोरांव कल्याणपुर, सोरांव तहसील के कई मार्गो पर रोडवेज बस का संचालन न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। सरकारी बस की सुविधा से वंचित सोरांव के छोटे किसान प्रयागराज शहर अपनी फसल एवं सब्जी को लेकर नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिसके कारण गांव में ही उन्हें औने पौने दाम पर व्यापारियों के फसल एवं सब्जी बेचने को मजबूर हैं। तहसील मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य, रजिस्ट्री कार्यालय के एसीपी कार्यालय सोरांव में स्थित है। परन्तु प्रयागराज शहर जाने के लिए ग्रामीणों के साथ कर्मचारियों के लिए रोडवेज बस की सुविधा नहीं है। ब्लॉक में तैनात शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ कर्मचारियों को प्रयागराज शहर से सोरांव आने जाने के लिए विक्रम टेंपो के अलावा कोई साधन उपलब्ध नहीं। जान जोखिम में डालकर कर रहे सफर ग्रामीणों के साथ कर्मचारी जान हथेली पर रखकर डग्गामार वाहन की सवारी करने को मजबूर हैं। सोरांव के साथ आस बाजारों के व्यापारी प्रयागराज शहर आने जाने के लिए निजी साधन न होने पर विक्रम टेंपो का सहारा लेना मजबूरी बन गई। उसके बावजूद रोडवेज विभाग सोरांव मुख्यालय से बस का संचालन नहीं कर रहा है। सोरांव के लोगों ने कई बार इलेक्ट्रिक बस चलाने की मांग किया परंतु आश्वासन के अलावा आज तक सुविधा नहीं मिल पाई। जनपद प्रयागराज मुख्यालय से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोरांव तहसील आलू का कटोरा कहा जाता है। सोरांव के किसान आलू की बंपर पैदावार कर भारत के कई प्रान्तों में आपूर्ति करते हैं। सोरांव तहसील मुख्यालय से किसानों को आने जाने के लिए सरकारी बस की सुविधा नहीं है। सोरांव तहसील मुख्यालय से जुड़े दर्जनों गांव के ग्रामीण सोरांव से डग्गामार वाहन के सहारे प्रयागराज शहर जाने को मजबूर हैं। तीन पहिया वाले डग्गामार वाहनों के चालक मनमानी किराया वसूल करते हैं। आए दिन डग्गामार वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। तहसील के अधिवक्ता एवं क्षेत्रीय लोगों के पास डग्गामार वाहन के अलावा कोई विकल्प नहीं है। प्रतापगढ़, सुल्तानपुर से आने वाली रोडवेज बसें प्रयागराज शहर जाने के दौरान सोरांव में नहीं रुकती है। जिसके कारण सोरांव तहसील के सैकड़ों गांवों के लोग डग्गामार वाहन की यात्रा करने को मजबूर हैं। बोले जिम्मेदार जिन रूटों पर पहले से बस का संचालन हो रहा था, उनका पुनः सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए सहायक प्रबंधक सड़क परिवहन निगम को निर्देशित किया जाएगा। इसके साथ ही आवश्यकता अनुसार अन्य रूटों पर परिवहन निगम की बसें चलाई जाएगी। –रविंद्र कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम

सोरांव कस्बा के साथ साथ जुड़े दर्जनों गांव के छात्र एवं छात्राएं प्रयागराज शहर में स्थित कोचिंग एवं कालेज पढ़ने के लिए जाते। बस की सुविधा न होने से बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। –राजीव कुमार ओझा, पूर्व महामंत्री बार एसोसिएशन सोरांव सोरांव तहसील मुख्यालय से जुड़े दर्जनो गांव के लोगों को प्रयागराज एवं छिवकी नैनी रेलवे स्टेशन जाने के लिए को कोई साधन नहीं है। ट्रेन पकड़ने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा। –अजीत कुमार मिश्र, अधिवक्ता सोरांव प्रयागराज प्रयागराज शहर स्थित मार्केट से सामान लाने एवं ले जाने के लिए रोडवेज बस की सेवा उपलब्ध नहीं। सोरांव के मैकेनिक विक्रम एवं टेंपो के सहारे दो गुना किराया देखकर सफर कर रहे। रोडवेज बस सेवा होनी चाहिए। –नीरज पाल, इलेक्ट्रिक एवं सोलर सिस्टम मैकेनिक सोरांव प्रयागराज सोरांव क्षेत्र में रोडवेज बस की सुविधा होने से छोटे किसान शहर की मंडी तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। रोडवेज बस की सेवा आवश्यक है। जिसके लिए विभाग को गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। –प्रवीन कुमार पाल, कपुरी गोदाम सोरांव सोरांव से प्रयागराज शहर का सफर करने में सबसे अधिक महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाकुंभ से पूर्व सोरांव से रोडवेज बस चल रही थी, अब बंद हो गई है। –सुरेश चौरसिया, अध्यक्ष, प्रयागराज व्यापार मंडल गंगापार एवं सोरांव होलागढ़ ब्लाक के साथ दर्जनों गांव के सामान्य नागरिक रोड़वेज बस सेवा न होने से प्रभावित हैं। शहर आने जाने में विशेष रूप से महिला शिक्षक एवं छात्राएं परेशान है। रोडवेज बस सेवा तत्काल शुरू होनी चाहिए। –सुबोध तिवारी, बलईमऊ, होलागढ़ सोरांव सोरांव से रोडवेज बस सेवा की सुविधा न होने से व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा। विक्रम के सहारे शहर का सफर तय करने के लिए व्यापारी मजबूर हैं। –चंदन मोदनवाल, व्यापारी सोरांव सोरांव तहसील मुख्यालय होने के साथ दर्जनों गांवों के लोग जुड़े हुए हैं। सोरांव के प्रमुख मार्गों पर इलेक्ट्रिक बस सेवा होनी आवश्यक है। –मनोज कुमार गुप्ता, व्यापारी एवं समाजसेवी

युवा कवि शिवम भगवती की पुस्तक का हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। युवा कवि व गीतकार शिवम भगवती की पुस्तक 'याद तुम्हें तो होगा का लोकार्पण एक होटल में शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, इविवि के डॉ. मृत्युंजय राव परमार

व जनकवि प्रकाश ने किया है। जनकवि ने कहा कि हर कवि को अपनी पुस्तक प्रकाशित करनी चाहिए, क्योंकि पुस्तकें लेखक के अस्तित्व को जीवन के बाद भी जीवित रखती है। बांके बिहारी पांडेय ने शिवम के छात्र जीवन से ही साहित्य और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मनोज गुप्त, सुनील कुमार पांडेय, भरत कुमार सिंह, अभिनव द्विवेदी, योगिता सिंह आदि मौजूद रहे।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम सर्वश्रेष्ठ क्लब घोषित

प्रयागराज। रोटरी डिस्ट्रिक्ट–3120 का इंटरसिटी अभिवृद्धि कार्यक्रम आजमगढ़ और मऊ में आयोजित की गयी। इस मौके पर रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम को सर्वश्रेष्ठ क्लब घोषित किया गया।

क्लब के अध्यक्ष डॉ. प्रतीक पांडेय ने कहा कि यह सम्मान टीम की मेहनत और समर्पण से प्राप्त हुआ। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. आशुतोष अग्रवाल के अनुसार प्रयागराज प्लैटिनम ने 45 दिनों में 12 नए सदस्यों का पंजीकरण रोटरी इंटरनेशनल के लिए कराया है। सचिव संजय तलवार, मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने टीम का बधाई दी। कार्यक्रम में लखनऊ,वारणसी, मिर्जापुर समेत प्रदेश के अन्य कई जिलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने खुल्दाबाद थाने का किया घेराव

प्रयागराज। चायल की विधायक पूजा पाल की सोशल मीडिया पर पोस्ट और उस पर टिप्पणी को लेकर अब दो अधिवक्ताओं में रार छिड़ गई है। हाईकोर्ट अधिवक्ता आलोक कुमार शर्मा ने एक महिला अधिवक्ता पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध करने पर धमकी देने का आरोप लगाया है। खुल्दाबाद थाने में तीन दिन बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं होने पर आलोक शर्मा ने साथी अधिवक्ताओं ने साथ पहुंचकर प्रदर्शन किया। उधर, पुलिस का कहना है कि दोनों पक्ष की ओर से लिखित शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। लूकरगंज निवासी अधिवक्ता आलोक शर्मा की तहरीर के अनुसार, विधायक पूजा पाल की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर महिला अधिवक्ता ने अशोभनीय टिप्पणी की थी। इस पर आलोक ने आपत्ति जताते हुए कमेंट किया था। इसके बाद महिला अधिवक्ता ने फोन कर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। आलोक शर्मा ने तीन दिन पहले थाने में तहरीर दी, लेकिन अब तक एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। उधर, खुल्दाबाद थाना प्रभारी सुरेंद्र वर्मा का कहना है कि महिला अधिवक्ता ने भी आलोक शर्मा के खिलाफ लिखित शिकायत की है। दोनों पक्ष को मंगलवार को थाने बुलाया गया है। दोनों पक्ष से वार्ता व मामले की जांचोपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

रैगिंग छात्र के व्यक्तित्व निर्माण में बाधक

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग सप्ताह का समापन सोमवार को हुआ। कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने रैगिंग को अपराध बताते हुए कहा कि रैगिंग छात्र के व्यक्तित्व निर्माण में बाधक। छात्रों से इसे न करने और न होने देने का आह्वान किया। डीन प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि रैगिंग न करेंगे, न होने देंगे यह छात्र

की संकल्पना होनी चाहिए। प्रो. विवेक कुमार सिंह ने रैगिंग मुक्त परिसर, जीवन हो बेहतर का नारा दिया। मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि रैगिंग छात्र के चारित्रिक मूल्यों में गिरावट लाता है। अनुशासन छात्र जीवन का अंग होना चाहिए।

संचालन डॉ. पीयूष मिश्र ने किया। डॉ. युवराज सिंह ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. प्रिया झा, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. अखण्ड प्रताप पाल, डॉ. मनोज यादव, डॉ. भावना कुमारी, डॉ. श्वेता कुमारी, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. मनोज वर्मा, शिखा श्रीवास्तव, नितिन त्रिपाठी, अनन्तजी मिश्र आदि मौजूद रहे।

फर्जी डॉक्यूमेंट पर 9 हजार ने लिया पीएम आवास का लाभ, सर्वे में फंसे, अब होगी रिकवरी

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में गरीबों को घर बनाने के लिए सरकार एक लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक मदद करती है, लेकिन जिले में ऐसे लोग भी हैं जिनके पास दो मंजिला मकान है और वो फर्जी दस्तावेज लगाकर सरकारी मदद ले रहे हैं जबकि उन्हें आवास की जरूरत ही नहीं है।

इसका खुलासा तब हुआ जब पहली किस्त देने के बाद विभागीय टीम ने सर्वे किया तो, जिले के अलग–अलग गांवों में लगभग नौ हजार लोग ऐसे मिले जिनके पास पहले से आवास थे। सर्वे नौ हजार लोग फंस गए हैं। अब उनसे रिकवरी कराई जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को आवास बनाने के लिए एक लाख 20 हजार रुपये दिया जाता है। आपदा में घर गिरने की दशा में 3200 रुपये की किस्त पहले बतौर सहायता जाती है। जिसे लगाने के बाद एक लाख 20 हजार रुपये की राशि तीन किस्तों में दी जाती है। प्रत्येक किस्त के बाद विभागीय टीम सत्यापन करती है और फोटोग्राफ लेती है।

पिछले वित्तीय वर्ष में आए आवेदनों के बाद प्राथमिक जांच में पात्र पाए गए लोगों को पहली किस्त दी गई। जब पहली किस्त के अनुसार हुए जांच के लिए टीम गई तो शंकरगढ़ ब्लॉक में 3127 लोग ऐसे मिले जिनके यहां एक भी ईंट नहीं रखी गई थी। जब ग्रामीणों से गवाही कराई गई तो मालूम चला कि आवास की आवश्यकता ही नहीं थी। जिले के अलग–अलग क्षेत्रों में की गई जांच में नौ हजार से अधिक लोग ऐसे पाए गए जिन्होंने फर्जी दस्तावेज लगाए थे। अब सबसे रिकवरी की तैयारी की जा रही है।

सीडीओ हर्षिका सिंह का कहना है कि जिन भी लोगों ने गलत दस्तावेज लगाकर आवेदन किया था। सभी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए लगातार जांच कराई जाती है। जिन जिम्मेदार लोगों ने आवेदन स्वीकृत किया था। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

शोध गंगा पर टॉप 10 में यूपी के 3 विश्वविद्यालय, सातवें पर पहला, दबदबा तमिलनाडु का

प्रयागराज। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के शोध गंगा पोर्टल पर दक्षिण भारत के दबदबा के बीच उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों का भी जलवा है। देश की टॉप 10 यूनिवर्सिटी की सूची में यूपी की तीन यूनिवर्सिटी शामिल हैं। हालांकि यूपी को क्रमशः सातवां, आठवां और दसवां स्थान मिला है। 840 उच्च शिक्षण संस्थानों ने 6.20 लाख थीसिस शोध गंगा पर अपलोड की है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) से 10709 थीसिस अपलोड की गई हैं और यह सातवें पायदान पर है।

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर दूसरे स्थान पर है जहां से 10279 थीसिस लोड की गईं। 9600 थीसिस के साथ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) टॉप टेन की लिस्ट में दसवें नंबर पर है। शोध गंगा पोर्टल की मदद से विद्यार्थी ऑनलाइन थीसिस पढ़ सकते हैं और उन्हें विभिन्न तरह के शोध व नवाचार के विषय में जानकारी मिलती है।

शोध गंगा पोर्टल पर यूपी से अच्छा से औसत प्रदर्शन करने वालों में लखनऊ विश्वविद्यालय की 8683 थीसिस, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की 3645 और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की 2335 थीसिस अपलोड की जा चुकी हैं। यूजीसी लगातार विश्वविद्यालयों को अधिक से अधिक अपने शोध कार्यों को इस पोर्टल पर अपलोड करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

स्लोगन में श्रेया तिवारी अव्वल

प्रयागराज। एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज में एंटी–रैगिंग सप्ताह का समापन सोमवार को हुआ। इस दौरान ओरिएंटेशन, फिल्म प्रदर्शन, नुक्कड़ नाटक और स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित हुईं। स्लोगन में बीएएलएलबी की श्रेया तिवारी प्रथम, बीए की राशि वर्मा द्वितीय, बीए की अंकिता तिवारी तृतीय रहीं। नुक्कड़ नाटक में विज्ञान संकाय और विधि संकाय का ग्रुप संयुक्त रूप से प्रथम, कला संकाय द्वितीय और तीसरे स्थान पर वाणिज्य संकाय रहा। प्राचार्या प्रो. लालिमा सिंह और एंटी–रैगिंग सेल की अध्यक्ष डॉ. नीता साहू ने छात्राओं को जागरूक किया। समापन दिवस पर विजेता छात्राओं को पुरस्कार व प्रमाणपत्र दिए गए।

अरैल घाट पर सिटिंग प्लाजा की छत हुई क्षतिग्रस्त

प्रयागराज। बारिश और बाढ़ में घाटों को कितनी क्षति पहुंची इसका आकलन तो बाद में होगा, लेकिन अरैल घाट के सिटिंग

प्लाजा की छत टूट गई है। अरैल घाट पर दो सिटिंग प्लाज का महाकुम्भ के पहले जीर्णोद्धार किया गया। प्लाज की छत पर महंगे पत्थर लगाए गए। अगस्त के पहले सप्ताह में आई बाढ़ और तेज बारिश के चलते सिटिंग प्लाजा के ऊपर लगे पत्थर उखड़ गए। सिंचाई विभाग ने महाकुम्भ के पहले घाट का जीर्णोद्धार किया था। बाढ़ का पानी हटने और बारिश बंद होने के बाद सिटिंग प्लाजाके छत की मरम्मत कराई जाएगी।

पकड़ा नहीं जा सका छह को घायल करने वाला कुत्ता

प्रयागराज। अलोपीबाग और अल्लापुर में चीन छात्र समेत छह को घायल करने वाला कुत्ता पकड़ से दूर है। नगर निगम के पशुधन विभाग की टीम मंगलवार सुबह से अलोपीबाग और अल्लापुर क्षेत्र में कटखने कुत्ते को खोजती रही, लेकिन सफलता नहीं मिली। अलोबाग में सोमवार सुबह लगभग आठ बजे क्षेत्र में चार लोगों को काटा। इनमें तीन छात्र भी थे। अलोपीबाग के बाद कुत्ता अल्लापुर की ओर भागा और वहां से भी दो लोगों को काटा। नगर निगम के पशुधन विभाग की टीम सुबह से शाम तक कुत्ते को खोजा, लेकिन हाथ नहीं लगा। नगर निगम के पशुधन अधिकारी ने बताया कि कुत्ते को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) अन्तिम वर्ष की छात्राओं ने लहराया सफलता का परचम

मुजफ्फरनगर। माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल घोषित किया गया, जिसमें एस०डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरनगर के एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। जिसमें विधि आहूजा ने 89.1 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर बेबी मुस्कान ने 85.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किये तथा तीसरे स्थान पर ग्रेसी सिंह ने 84.1 प्रतिशत अंक प्राप्त कर

महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया । इस अवसर पर प्राचार्य डा० सचिन गोयल, डा० नवनीत वर्मा (डीन) द्वारा छात्राओं को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। सभी छात्राओं ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय अपने माता–पिता व महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों को दिया ।

प्राचार्य डा० सचिन गोयल ने इस अवसर पर सभी शिक्षकों व छात्राओं को शुभकामनाएं दी और छात्राओं को भविष्य में भी इसी प्रकार उन्नति करने हेतु प्रेरित किया और बताया कि महाविद्यालय में सभी छात्राओं को शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ–साथ उनके विकास में सहायक सभी प्रकार की तकनीकी व सांस्कृतिक गतिविधियों का वातावरण भी उपलब्ध कराया जाता है । जिससे की छात्राएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर सके। इस अवसर पर एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) एवं बी०एस०सी० (गृहविज्ञान) संकाय से शिवांगी वशिष्ठ, नीतू शर्मा, अंजू कुमारी, श्रीमति नीतु गुप्ता, शिवांगी पुण्डीर, नीलू राठी व शाजिया रहबर आदि शिक्षिकाएं मौजूद रही।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई अगस्त माह की काव्य गोष्ठी कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन काव्य गोष्ठी का आयोजन। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा मिश्रा

की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ.साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि रेखा शर्मा।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की डॉ शशि निगम द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रभा तिवारी ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति दी। डा. अंजुल कंसल, संतोष तोषनीवाल, डा. शशिकला अवस्थी, नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, लता सेन, सीता सेन, सुषमा व्यास, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला, शोभा रानी तिवारी, डॉ. शशि निगम, सुनीता संतोषी, सुनीता श्रीवास्तव,गायत्री शर्मा और श्रुति चौधरी,आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें, धन्यवाद ज्ञापन डा.अंजुल कंसल ने किया।

बिना मान्यता के संचालित विद्यालयों एवं कोचिग सेंटरों पर होगी कार्यवाही-डॉ. अखिलेश यादव

मथुरा ।ब्लॉक नोडल अधिकारी बलदेव डॉ अखिलेश यादव ने बलदेव ब्लॉक में संचालित समस्त राजकीय सहायता प्राप्त एवं स्व वित्तपोषित विद्यालयों के प्रधानाचार्य की एक अति आवश्यक बैठक श्री बलभद्र इंटर कॉलेज बलदेव में आहुत की स बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा शैक्षिक सत्र में शैक्षिक

पंचांग के अनुपालन के साथ–साथ यू डाइस प्रोग्रेशन तथा इंस्पायर अवार्ड में पंजीकरण, स्काउट, रेडक्रॉस,खेलकूद प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी दी ।डॉ अखिलेश यादव ने बताया कि सभी विद्यालय द्वारा अनिवार्य रूप से किन्ही दो खेलों में विद्यार्थियों को प्रतिभाग कराया जाना है। इंस्पायर अवार्ड में अनिवार्य रूप से पांच विद्यार्थियों का पंजीकरण कराया जाना है। विभागीय आदेशों के क्रम में स्काउट का संचालन अनिवार्य है जिसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाए ।ब्लॉक में सूचनाओं का आदान–प्रदान करने के लिए दस सेक्टर में ब्लॉक सह नोडल अधिकारी बनाए गए हैं । ब्लॉक में विद्यालय की संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया।

बीएसए देवब्रत सिंह ने उरुवा ब्लॉक का किया औचक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की गुणवत्ता सही पाई गई

मेजा। जनपद के बेसिक शिक्षा विभाग के मुखिया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज देवब्रत सिंह मंगलवार को सुबह लगभग 10रू30 बजे अचानक औचक निरीक्षण करने उरुवा पहुँचे। सबसे पहले वह बीआरसी उरुवा के कार्यालय से सटे उच्च प्राथमिक विद्यालय कोटहा का निरीक्षण किया और विद्यालय की गुणवत्ता देखी,जहां पर उन्हें सब सही मिला। उसके बाद करीब 11 बजे वह बीआरसी उरुवा के कार्यालय पहुँचे और फिर उन्होंने कार्यालय के सभागार में चल रहें एफएलएन प्रशिक्षण का औचक निरीक्षण किया और प्रशिक्षण के दौरान ही शिक्षकों से बातचीत की। बीआरसी उरुवा के कार्यालय में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह के प्रथम आगमन पर ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा ने उन्हें बुकें व मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी की प्रतिमा भेंटकर उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया। कार्यालय में लगभग 1 घण्टे रुकने के बाद वह ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय भभौरा,उरुवा में लभगभ 12रू30 बजे के करीब पहुँचे। जहां पर काफी दिनों से ग्रामीणों द्वारा लगातार

भभौरा विद्यालय में बन रहे एमडीएम की गुणवत्ता व अन्य कई चीजों को लेकर कई बार मुख्यमंत्री पोर्टल पर आईजीआरएस शिकायत दर्ज कराई जा रही थी और यहां तक कि कई बार ग्रामीणों द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी लिखित रूप से भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। बीएसए प्रयागराज देवब्रत सिंह के विद्यालय निरीक्षण के दौरान भभौरा प्राथमिक विद्यालय के एमडीएम की गुणवत्ता सही पाई गई। यहां तक कि उन्होंने विद्यालय में बैठकर ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा के साथ एमडीएम का खाना भी खाया। उसके पश्चात उन्होंने ग्राम प्रधान, ग्रामवासियों व शिक्षकों के साथ बैठकर उक्त समस्या का निराकरण किया। उनके पश्चात उन्होंने ब्लॉक के हनुमान सहाय का पूरा के प्राथमिक विद्यालय में पहुँचकर वहां की बाउंड्रीबाल का निरीक्षण किया।

बीआरसी उरुवा में चल रहे एफएलएन प्रशिक्षण के दौरान जिला बेसिक शिक्षाधिकारी द्वारा कुशल एवं सहज शब्दों से पूर्व सीनियर एआरपी राजेश मिश्रा का अभिसिंचित किया गया। बीआरसी उरुवा पहुँचने पर बीएसए प्रयागराज देवब्रत सिंह का पूर्व सीनियर एआरपी उरुवा व सन्दर्भदाता राजेश मिश्रा, प्रीतम दास, पुष्पेंद्र शुक्ला तथा वर्तमान एआरपी अजीत मिश्रा व रामानन्द शुक्ला और कार्यालय के लेखाकार कृष्ण कुमार शुक्ला ने स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

हेरिटेज के रूप में विकसित होगी ब्रज 84 कोस परिक्रमा

–ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा को राष्ट्रीय राज मार्ग घोषित किया जाएगा

मथुरा। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा को लेकर सांसद हेमामालिनी ने मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाक़ात की। सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान क्षेत्र अंतर्गत ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा धार्मिक और पौराणिक महत्व से जुड़ी हुई है। हेरिटेज के रूप में इसे विकसित किए जाने की आवश्यकता है। सांसद हेमा मालिनी ने नितिन गडकरी को बताया सड़क परिवहन और राज मार्ग मंत्रालय ने कुछ समय पूर्व इस योजना पर काम करते हुए आइकॉन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डीपीआर तैयार कराई थी। लेकिन कुछ कारणों से यह योजना धरातल पर नहीं आ सकी। ब्रज के अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ते प्रभाव और श्रद्धालुओं की संख्या निरंतर बढ़ने के कारण इस योजना के अमल में आए जाने की आवश्यकता है। इस पर

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सबसे पहले ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा को प्रधानमंत्री कार्यालय स्तर से राष्ट्रीय राज मार्ग घोषित किया जाएगा। इसके लिए प्रक्रिया अपनाई गई है। उन्होंने सांसद हेमा मालिनी को ब्रज 84 कोस परिक्रमा के लिए शीघ्र ही स्वीकृति के लिए औपचारिकताओं पर विचार करने की बात कहीं और पूर्ण आश्वासन भी दिया। बैठक में उत्तर प्रदेश

–सांसद हेमा मालिनी और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाक़ात

ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ,राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारी ट्रांसपोर्ट सचिव उमाशंकर सिंह, दीपक शिंदे आईएएस और मंत्रालय के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एनएच 19 पर सात 7 फ़्लाईओवर, अंडरपास की मांग की

इसके साथ ही सांसद ने मथुरा संसदीय क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 19 दिल्ली आगरा पर 7 फ़्लाईओवर एवं अंडरपास की मोग करते हुए पत्र भी दिया। इसे केंद्रीय मंत्री ने तुरंत स्वीकार करते हुए सभी फ़्लाइओवर, आरओबी चौड़ीकरण एवं अंडरपास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की। इसमें उन्होंने जैत निवासी सामाजिक कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश ब्रजवासी द्वारा की गई मांग को भी केंद्रीय मंत्री के समझ रखा। बताया कि ब्रजवासी ने नेशनल हाईवे 19 के गांव जैत पर एलिवेटेड फ्लाईओवर चौनेज़ 131.95 किलोमीटर की मांग की है। इसके लिए सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा आत्मदाह की भी चेतावनी दी है।

पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज मुजफ्फरनगर में एचआईवी/एड्स पर आधारित रेड रिबन प्रश्नोत्तरी

मुज़फ्फरनगर। जिला चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर के सभागार में एचआईवी/ एड्स पर आधारित रेड रिबन प्रश्नोत्तरी उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के युवा उत्सव (यूथ फेस्ट) कार्यक्रम के अंतर्गत एचआईवी एवं एड्स जागरूकता हेतु आयोजित की गईद्य उक्त प्रश्नोत्तरी में दी गई गाइडलाइन के अनुसार पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर के कक्षा 8 9 एवं 11 के 50 बच्चों ने 5 टीम बनाकर प्रतिभाग किया। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र, उप प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट नितिन कुमार ,जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया, डॉक्टर लोकेश जिला क्षय रोग अधिकारी के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर आरंभ हुआ। कुमारी मेधा धीमान के द्वारा शिव स्तुति नृत्य प्रस्तुत किया गया। टीम ए,बी, सी ,डी और ई के मध्य हुई ।इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टीम डी का शिवांश ठाकुर प्रथम स्थान पर रहा, द्वितीय स्थान पर टीम ई का अमन और तृतीय स्थान पर टीम ए की कुमारी गुड्डन रही। विजेता विद्यार्थियों को क्रमशः 1500, 1200

तथा 1000 ६ पुरुस्कार स्वरूप प्रदान किये गए। . डॉक्टरों की टीम ने शिव स्तुति पर प्रसन्न होकर छात्रा मेघा धीमान को पारितोषिक देकर प्रोत्साहित किया । कार्यक्रम में जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया के साथ रुचिर भटनागर(वरिष्ठ पर्यवेक्षक) ,अतुल भारद्वाज,(वरिष्ठ पर्यवेक्षक),डॉक्टर लोकेश जिला क्षय रोग अधिकारी ,डॉक्टर मुजीबुररहमान ७ प्ट्क्केंद्र इंचार्ज , गीतांजलि , अभिषेक टीवी एचवी एवं सहारनपुर से आए डॉक्टर अमित चौहान (ब्च्ड)ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती ममता रानी एवं श्रीमती गीता रानी ने कार्यक्रम का साझा संचालन किया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट नितिन कुमार एवं प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र के द्वारा बच्चों को एड्स के प्रति जागरूक रहने और समाज को जागरूक करने का संदेश दिया गया । डॉक्टर लोकेश ने बच्चों को यह संदेश प्रेषित किया कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति के साथ किसी प्रकार का सामाजिक आर्थिक आदि भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए यह एक बीमारी है जिससे बचाव और उसकी रोकथाम संभव है। विद्यालय के इको क्लब एवं यूथ क्लब द्वारा विद्यालय प्रांगण के सरस्वती वाटिका में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त विद्यालय परिवार का सहयोग रहा।

बारिश करे निनाद

(कुण्डलिया)

बारिश से नदियाँ हुईं, जब भी थोड़ा सख़्त।
पल भर में सबकुछ लुटा, मिला न उनको वक़्त।
मिला न उनको वक़्त, बाढ़ ने किस्मत लूटी।
लेकिन सच यह बात,भूल से हिम्मत छूटी।
वर्षा कहे प्रदीप,न समझो मेरी साजिश।
मौसम का है खेल, चली जाएगी बारिश।।

मानव ने की अनसुनी, नदियों की फरियाद।
बादल गरजा जोर से, बारिश करे निनाद।
बारिश करे निनाद, बाढ़ नदियों में आयी।
तोड़ सभी तटबन्ध,घरो तक पहुँचा पानी।
सुन लो कहें प्रदीप, देख दरिया का रौरव।
सुन दरिया से बात, अहं मत पालो मानव।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) अन्तिम वर्ष की छात्राओं ने लहराया सफलता का परचम

मुजफ्फरनगर। माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल घोषित किया गया, जिसमें एस०डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुजफ्फरनगर के एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) अन्तिम वर्ष का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। जिसमें विधि आहूजा ने 89.1 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त

किया। दूसरे स्थान पर बेबी मुस्कान ने 85.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किये तथा तीसरे स्थान पर ग्रेसी सिंह ने 84.1 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया । इस अवसर पर प्राचार्य डा० सचिन गोयल, डा० नवनीत वर्मा (डीन) द्वारा छात्राओं को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। सभी छात्राओं ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय अपने माता–पिता व महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों को दिया। प्राचार्य डा० सचिन गोयल ने इस अवसर पर सभी शिक्षकों व छात्राओं को शुभकामनाएं दी और छात्राओं को भविष्य में भी इसी प्रकार उन्नति करने हेतु प्रेरित किया और बताया कि महाविद्यालय में सभी छात्राओं को शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ–साथ उनके विकास में सहायक सभी प्रकार की तकनीकी व सांस्कृतिक गतिविधियों का वातावरण भी उपलब्ध कराया जाता है । जिससे की छात्राएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर सके। इस अवसर पर एम०एस०सी० (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) एवं बी०एस०सी० (गृहविज्ञान) संकाय से शिवांगी वशिष्ठ, नीतू शर्मा, अंजू कुमारी, श्रीमति नीतु गुप्ता, शिवांगी पुण्डीर, नीलू राठी व शाजिया रहबर आदि शिक्षिकाएं मौजूद रही।

खेल मैदान पर पशु अस्पताल बनाने का विरोध, नगर निगम तोड़ने का प्रयास कर रहा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के खरगापुर में लोग खेल मैदान और बालिका विद्यालय की जमीन पर पशु अस्पताल बनाने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। गांव के लोगों ने इकट्ठा होकर नगर निगम के फैसले के खिलाफ नारेबाजी की। स्थानीय निवासी राज लोधी ने बताया इसी मैदान में पूर्व केन्द्रीय मंत्री और मोहनलालगंज के सांसद रहे कौशल किशोर ने ओपन जिम बनवाया था। इसका लाभ गांव के लोगों को हो रहा है, लेकिन अब इसे यहां से हटाने की कोशिश हो रही है। उनका कहना है कि हम सभी लोग यहां पर पशु अस्पताल बनाने का विरोध करते हैं।

नगर निगम ने अगर तय समय में एक्शन नहीं लिया तो बड़ी कार्रवाई की जाएगी। गांव के लोगों ने बैठक कर नगर निगम के अधिकारियों को तीन दिन का समय दिया है। उनका कहना है कि इतने समय में अगर नगर निगम ने अपने फैसले पर विचार नहीं किया तो बड़ा एक्शन लिया जाएगा।

सम्पादकीय........

चुनौतियां और संकल्प

पंद्रह अगस्त पर लाल किले से प्रधानमंत्री का राष्ट्र के लिये संबोधन महज एक औपचारिकता नहीं होता, बल्कि समकालीन राष्ट्रीय चुनौतियों व अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर सरकार की रीति–नीति का परिचय होता है। आने वाले समय की योजनाओं का खाका और राष्ट्रीय संकल्पों की बानगी होता है। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन निस्संदेह, इन्हीं रीति–नीतियों का विस्तार था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा थोपे गए टैरिफ के बीच स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर बल दिया। साथ ही यह भी दोहराया कि विश्व में पहुंच बनाने के लिये हमारी प्राथमिकता गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की होनी चाहिए। उन्होंने रक्षा उत्पाद निर्माण को वरीयता देने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि साल के अंत तक पहली मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप आ जाएगी। निश्चय ही यह कामयाबी हमारी तकनीकी व सुरक्षा जरूरतों के लिये महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने क्रिटिकल मिनरल्स के उत्पादन पर भी जोर दिया, जो रक्षा उत्पादों में बड़ी भूमिका निभाते हैं। पं. नेहरू के बाद लगातार बारहवीं बार लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करने वाले मोदी का यह संबोधन अब तक का सबसे लंबा अवधि वाला था। लेकिन समकालीन चुनौतियों के मद्देनजर यह तार्किक था। उन्होंने उर्वरकों, परमाणु ऊर्जा, जीएसटी, अर्थव्यवस्था के लिये रिफोर्म टास्क फोर्स के गठन, अंतरिक्ष अभियान जैसे तमाम मुद्दों को संबोधित किया। निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता के प्रयासों से जहां हम अपने आर्थिक लक्ष्य पा सकते हैं, वहीं हम अपनी संप्रभुता की रक्षा भी कर सकने में सक्षम हो सकेंगे। निश्चित रूप से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के परिदृश्य के बीच भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने के लिये उत्पादन क्षेत्र में आशातीत वृद्धि करनी होगी। तभी हम चीन के साथ लगातार बढ़ते व्यापार असंतुलन को दूर कर पाने में किसी हद तक सफल हो सकते हैं। फिर हम वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अपनी भूमिका बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के लिये चुनौती बनती घुसपैठ की समस्या को भी संबोधित किया और उच्च शक्ति वाला डेमोग्राफी मिशन चलाने की बात कही। दरअसल, आज घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव की स्थिति तक पहुंच गई है। देश में अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ डेढ़ करोड़ बतायी जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी का जिक्र करके देश को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। आने वाले दशक में उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के मुकाबले को उन्होंने 'सुदर्शन चक्र' नामक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच तैयार करने की बात कही। जिसमें रक्षा उत्पादों का आधुनिकीकरण भी शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि बाह्य दबाव अस्वीकार करके किसानों, पशुपालकों व मछुआरों के हितों की रक्षा की जाएगी। उनका मानना था कि हम इतने मजबूत बनें कि चुनौतियां हमारी सफलता का मार्ग तय करें। कुल मिलाकर उन्होंने देश के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को संबोधित करते हुए समाधान की राह का विस्तार से जिक्र किया। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश के आंतरिक मोर्च पर उन्होंने किसानों के संरक्षण व प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के मुद्दे पर जो कहा, उसे यथाशीघ्र हकीकत बनाया जाएगा।

अभी कई चुनौतियों से निपटना होगा

प्रेम शर्मा

ऑटो इक्विपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, खासतौर पर आईफोन की बात करे तो भारत में वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। एपल करीब 20 प्रतिशत आईफोन अब भारत में बना रही है, जबकि कभी चीन इसका केंद्र हुआ करता था।

निश्चत तौर पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पर जोर दिया। उनके भाषण से यह तो स्पष्ट है उनका उद्देश्य क्रिटिकल मिनरल्स से लेकर हथियारों तक

में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता बताई, ताकि वैश्विक बाजार में भारत की छवि को बेहतर बनाया जा सके। लेकिन भाषण का सार लगभग यही है कि जो कुछ हासिल हुआ है उसके सापेक्ष देश के समक्ष चुनौतियॉ अभी काफी है। काफी हद तक अन्तरिक चुनौतियों से निजात तो मिली लेकिन पूरी तरह नही। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी भयावह दौर से गुजर रहा है। आजादी की 79वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाल किले से दिया गया भाषण अगर याद रखे जाने लायक कहा जाएगा तो सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका अब तक का सबसे लंबा भाषण रहा या लाल किले के प्राचीर से उन्होंने लगातार बारहवीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, जिसका मौका पंडित जवाहरलाल नेहरू के अलावा किसी और प्रधानमंत्री को अब तक नहीं मिला। जिन हालात में और जिन चुनौतियों के बीच पीएम मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया वह इस बॉत संकेत था कि उन्हें देश में व्याप्त समस्याओं का पूरा आभास है। पिछले कुछ सयम से अमरीका के भारत के खिलाफ बनते आ रहे रूख और अमेरिका टैरिफ वॉर के जरिये अपना प्रभुत्व जमाने की कोशिश कर रहा है, जबकि चीन ने दुर्लभ मृदा खनिज को हथियार बनाया हुआ है। ऐसी स्थिति में भारत को तरक्की जारी रखने के लिए रास्ता तलाशना ही होगा। स्वाभाविक दुर्लभ मृदा खनिज, तेल और गैस, सेमीकंडक्टर से लेकर हथियारों तक में आत्मनिर्भरता अब भारत की अस्मिता का प्रश्न है। दुनिया जिस तरह से बदल रही है, उस स्थिति में किसी पर भरोसा करना अपने आप को धोखा देना है। फिलहाल देश की डीजीपी में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का योगदान केवल 12 प्रतिशत और वैश्विक आपूर्ति में केवल 2.8 प्रतिशत है। जबकि चीन दुनिया के लिए 28.8 प्रतिशत सामान बना रहा है। भारत सरकार इसे 23 प्रतिशत के बराबर करना चाहती है। सरकार ने जो लक्ष्य तय किया है, वह नामुमकिन बिल्कुल नहीं है। ऑटो इक्विपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, खासतौर पर आईफोन की बात करे तो भारत में वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। एपल करीब 20 प्रतिशत आईफोन अब भारत में बना रही है, जबकि कभी चीन इसका केंद्र हुआ करता था। पीएम मोदी ने ठीक ही ध्यान दिलाया कि दुनिया गुणवत्ता की कद्र करती है और अगर ग्लोबल मार्केट में भारत की छवि को चमकाना है तो हाई क्वॉलिटी प्रॉडक्ट्स बनाने होंगे।पीएम मोदी चुनौतियों की ओर संकेत करना भी नहीं भूले। उन्होंने न केवल किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों की बात की बल्कि सिंधु जल समझौते को मौजूदा स्वरूप में स्वीकार न करने की दो टूक घोषणा भी कर दी। स्पष्ट है कि भारत किसी भी सूरत में अवांछित दबाव को स्वीकार नहीं कर सकता। भारत 1990 का दशक बदलाव का सबसे बड़ा वाहक था, जब भारत ने आर्थिक उदारीकरण को अपनाया और तय किया कि इस दुनिया में उसे किस रास्ते पर चलना है। भारत के बाजार को खोलने का वह फैसला लिया गया, क्योंकि ऐसी मजबूरी खड़ी हो गई थी। तब देश के पास आयात के लिए विदेशी मुद्रा नहीं बची थी, और आज फॉरेन करंसी रिजर्व के मामले में भारत टॉप 4 में है। आजादी के समय 2.7 लाख करोड़ रुपये वाली जीडीपी अब चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। इनके बावजूद अभी भी देष के सामने कई चुनौतियॉ मुँह खोले खड़ी है। भारत में हर साल खराब स्वच्छता और सफाई के कारण एक लाख से अधिक बच्चों की मौत हो जाती है और 3.6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है। भारत की जनसंख्या एक बड़ी चुनौती है। विश्व में सबसे बड़ा युवा जनसंख्या होने के बावजूद, यह एक अवसर भी हो सकता है यदि सही तरीके से इसका प्रबंधन किया जाए। शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की आवश्यकता होगी ताकि भारत की बढ़ती युवा आबादी को समुचित अवसर मिल सकें। इसके साथ ही जनसंख्या का दबाव संसाधनों, सेवाओं और बुनियादी ढांचे पर पड़ेगा, जिसके कारण गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता जैसी समस्याएँ बढ़ सकती हैं।भारत में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ रही है, और अगर यह जारी रहती है, तो यह सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है।भारत को गरीबी की समस्या से निपटना होगा, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और कृषि आधारित क्षेत्रों में स्थिति भयावह है। इसके साथ ही, नौकरियों की गुणवत्ता और स्मार्ट कौशल में सुधार की आवश्यकता होगी, ताकि देश की बढ़ती आबादी को रोजगार मिल सके। ऐसे में सरकार को इन चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य और केन्द्र में समन्वय बनाकर वृहद रूप से कार्य करना होगा।

राहुल गांधी और चुनाव

अरुण कुमार श्रीवास्तव

रविवार को देश में दो बड़ी घटनाएं हुईं। बिहार से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत हुई और दिल्ली में निर्वाचन आयोग ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी के गंभीर आरोपों पर जवाब देने की कोशिश की। चूंकि दोनों घटनाओं का संबंध मतदाता और मतदान के अधिकार से जुड़ा है, लिहाजा कहा जा सकता है कि इस कठिन समय में भी लोकतंत्र की धड़कनें चल रही हैं, और इसका पूरा श्रेय अगर विपक्ष को, इंडिया गठबंधन के दलों और खासकर राहुल गांधी को दिया जाए तो गलत नहीं होगा। यूं तो मतदान के दौरान गड़बड़ी के आरोप एक अर्से से विपक्ष लगा रहा था। लेकिन महाराष्ट्र चुनाव के बाद उसका शक यकीन में बदल गया, क्योंकि लोकसभा चुनावों में महाविकास अगाड़ी ने एनडीए को धूल चटा दी थी, लेकिन चार–पांच महीनों बाद हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा और उसके साथियों को आशातीत जीत मिल गई। शुरुआती पड़ताल में पता चला कि जिन क्षेत्रों में नए मतदाता बढ़े हैं, उन्हीं पर भाजपा को जीत मिली है। इसके बाद उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में ऐसी ही गड़बड़ी के आरोप समाजवादी पार्टी ने लगाए। बिहार में तेजस्वी यादव का आरोप है कि पिछले चुनावों में कई सीटों पर आखिरी वक्त में राजद के जीते प्रत्याशियों को हराया गया। चंडीगढ़ में तो मेयर चुनाव में निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह को सीसीटीवी पर ही बैलेट पेपर पर हेरफेर करते पकड़ा गया और अब हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव बुआना लाखू के मोहित कुमार का मामला सामने आया है, तीन साल पहले ग्राम पंचायत चुनाव में मोहित कुमार को हारा हुआ बताया गया था, लेकिन उन्हें जीत का यकीन था, वे अपनी लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले कर गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुई दोबारा गिनती के मुताबिक, इस गांव में कुल 3,767 वोट डाले गए थे. इनमें से 1,051 वोट मोहित कुमार को और 1,000 वोट कुलदीप सिंह को मिले, इस तरह करीब पौने तीन साल की कघनूनी लड़ाई के बाद मोहित कुमार को 51 वोटों से ग्राम पंचायत चुनाव का विजेता घोषित किया गया। राहुल गांधी से लेकर मोहित कुमार तक ने जिस धांधली की तरफ देश का ध्यान दिलाया है, उससे चुनाव आयोग ने एक बार फिर साफ इंकार कर दिया है। रविवार को चुनाव आयोग ने उसी समय प्रेस कांफ्रेंस रखी, जब राहुल गांधी की यात्रा बिहार में शुरु होने वाली थी। हालांकि सासाराम में दिन के 12 बजे के आसपास ही मल्लिकार्जुन खड़गे, लालू प्रसाद, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के तमाम बड़े नेताओं की मौजूदगी में वोटर अधिकार रैली का शंखनाद हुआ, जिसके लिए पूरे बिहार से आम जनता उमड़ी हुई दिखाई दी। खासकर महिलाओं की तादाद काफी अधिक थी, जो नीतीश सरकार के लिए बड़ी चेतावनी है। इस रैली में बहुत से लोग ऐसे भी मौजूद थे, जिनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं, जबकि पिछले चुनाव में उन्होंने वोट डाले थे। बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण को लेकर जो सवाल विपक्ष ने उठाए हैं, उन सवालों की गूंज सासाराम की रैली में साफ सुनाई दी। अब वोटर अधिकार यात्रा अगले 13 दिनों तक चलेगी और 1 सितंबर को पटना में फिर से एक बड़ी सभा होगी। इस एक पखवाड़े में बिहार की राजनैतिक सूरत में बड़े बदलाव के संकेत मिल चुके हैं। सबसे बड़ा संकेत तो दिल्ली में ही नजर आया, जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पद संभालने के बाद पहली बार प्रेस कांफ्रेंस की। हालांकि वे सीधे सवालों के सीधा जवाब देने की जगह प्रवचन देने या फिर राजनेता की तरह बात को घुमाने–फिराने में लगे रहे। उनके पूर्ववर्ती राजीव कुमार की भी यही आदत थी कि वे भाजपा के सहयोगी की तरह जवाब देते थे, विपक्ष के सवालों पर बेतुकी शायरी सुनाते थे। ज्ञानेश कुमार ने भी सच, सच होता है और सूरज पूर्व से निकलता है जैसे जुमलों के साथ गंभीर सवालों को टाल दिया। पत्रकारों ने उनसे पूछा कि बिहार में इसी समय एसआईआर क्यों हो रहा है। क्यों कई मतदाताओं के पते पर हाउस नंबर जीरो लिखा है। विपक्ष की मांग के अनुसार आयोग मशीन रीडेबल फार्मेट में मतदाता सूची क्यों उपलब्ध नहीं कराता। बिहार में विदेशी नागरिकों के मतदाता होने की बात कही गई थी, तो ऐसे कितने मतदाता मिले जो भारतीय नहीं हैं। राहुल गांधी को हलफनामा देने कहा जाता है, लेकिन धांधली के वैसे ही आरोप लगाने वाले भाजपा के अनुराग ठाकुर को हलफनामा देने चुनाव आयोग ने क्यों नहीं कहा। एकदम से 22 लाख मृतकों के नाम आयोग को मिले, इससे पहले के संशोधनों में यह गड़बड़ी क्यों नहीं पकड़ में आई। ऐसे कई सवाल करीब दो घंटों की प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त से पूछे गए, लेकिन उन्होंने केवल वही बयान दोहराए, जो पिछले कई दिनों से सूत्रों के हवाले से मीडिया में आ रहे थे। जैसे यह मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है। कोई भी मतदाता दो बार वोट नहीं डाल सकता, यह कानूनन अपराध है। एसआईआर की प्रक्रिया पहले भी कई बार हो चुकी है। विकास के कारण व्यक्ति गांव से शहर और फिर दिल्ली–मुंबई जैसे महानगरों में आता है इसलिए एक ही व्यक्ति के कई वोटर आईडी बन जाते हैं, लेकिन वोट वो एक ही बार डाल सकता है। वोट चोरी शब्द पर चुनाव आयुक्त ने घोर आपत्ति जताई और कहा कि जो आरोप लगा रहा है, उसे या तो हलफनामा देना पड़ेगा अथवा सात दिन के भीतर देश से माफी मांगे, अन्यथा वे आरोप बेबुनियाद कहे जाएंगे।

'विभाजन विभिषिका'

कैसी वो अनहोनी थी ?
जब भारत ने स्व अस्मिता खोयी थी।
क्रोध – वैमनस्य की ज्वाला में
मानवता तड़प तड़प कर रोयी
थी ।
क्रुरता की तीव्र आंधी में
समाज विवेक संतुलन बिगड़ा था।
अमानवीय कृत्यों की कुधारा में
एकता – मैत्री ने किनारे का साथ छोड़ा था।
दो जून जूनुनी फैसले ने
राष्ट्र के हृदय को ही तोड़ा था।
विस्थापन की दारुण बेला में
देशवासियों ने अपना दहलीज छोड़ा था।
14 अगस्त के हाथों ने
विभाजन का करुण खेल खेला था।
विभाजन विभिषिका का
वह दृश्य हमने भी देखा था।
सधवा बनी विधवा
कुमारियों का मान रौंदा था।
सामुहिक टकराव में
जन – धन – संस्कृति को तौला था।
माताओं की उजड़ी कोख
बहनों ने भी भाई खोया था।
विभाजन विस्थापन विभिषिका में
भारत का बच्चा बच्चा रोया था।
अगर भूल गए हम
उस कटु सत्य कहानी को
तो स्वतन्त्रता का
रसास्वादन ही अधूरा होगा।
भारत माता की अखंड एकता को अक्षुण्ण बनाए रखना है
तो राष्ट्र धर्म सर्वोपरि ऐसा गीत गुनगुना है।.

विश्वजीत चबे
आजमगढ़

पुतिन ने ट्रंप को सबक सिखाया, अब समझौते के लिए मॉस्को ही जाना पड़ेगा

संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में हुई बहुप्रतीक्षित बैठक बेनतीजा रही। अमेरिकी राज्य अलास्का के एंकोरेज में डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन की आमने–सामने हुई मुलाक़ात तीन घंटे के लगभग चली। लेकिन दोनों नेताओं के बीच न तो युद्धविराम को लेकर कोई सहमति बन पाई और न ही कोई ठोस समझौता हो पाया। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने इस बातचीत में दुनिया भर के देशों को परेशान करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को एक बड़ा सबक भी सिखा दिया कि आप बातचीत से पहले ही बार–बार धमकाने वाला बयान देकर किसी देश को झुका नहीं सकते हैं। दोनों नेताओं के बीच लगभग तीन घंटे तक चली मुलाकात के बाद एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का भी आयोजन किया गया लेकिन यह प्रेस कांफ्रेंस भी सिर्फ 12 मिनट तक ही चली। ट्रंप और पुतिन ने इस संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में सिर्फ अपनी–अपनी बातें रखी और दोनों नेताओं ने पत्रकारों के किसी सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। बैठक से पहले ही ट्रंप लगातार रूस को चेतावनी भरे बयान जारी कर रहे थे। लेकिन बैठक के दौरान और बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पुतिन ने ट्रंप को बुरी तरह से बेनकाब कर दिया। उन्होंने साबित कर दिया कि शांति का मसीहा बनकर नोबेल पुरस्कार हासिल करने में जुटे ट्रंप में वास्तव में इस तरह की काबलियत है ही नहीं। अमेरिकी प्रोटोकॉल के मुताबिक, उनकी धरती पर जब कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करते हैं तो उसमें पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बोलते हैं और इसके बाद मेहमान नेता बोलते हैं। लेकिन इस बार संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की शुरुआत ट्रंप ने नहीं बल्कि पुतिन ने की। प्रेस

कांफ्रेंस के दौरान ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पहली बार अंग्रेजी में बोलते हुए एक ऐसा बड़ा कूटनीतिक दांव चल दिया, जिसने ट्रंप को बुरी तरह से फंसा दिया। प्रेस कांफ्रेंस के अंत में ट्रंप ने जैसे ही पुतिन से कहा, 'जल्द मिलेंगे' वैसे ही तुरंत पहली बार अंग्रेजी में बोलते हुए पुतिन ने कहा, 'नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को'। यानी यूक्रेन सहित अन्य मुद्दों पर रूस को मनाने के लिए अब डोनाल्ड ट्रंप को उनकी राजधानी मॉस्को की धरती पर जाना पड़ेगा। इससे पहले बातचीत के दौरान भी अंतिम समय पर कई ऐसे बदलाव किए गए जिससे रूस कूटनीतिक तौर पर ट्रंप पर भारी पड़ते नजर आए।पहले यह तय किया गया था कि दोनों नेताओं–ट्रंप और पुतिन के बीच अकेले में मुलाकात और बातचीत होगी जिसे कूटनीतिक भाषा में वन–ऑन–वन मीटिंग कहा जाता है लेकिन अंतिम समय पर इस पैटर्न को बदलकर थ्री–ऑन–थ्री कर दिया गया यानी बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के साथ दो–दो सलाहकार भी मौजूद रहे। अमेरिका की तरफ़ से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ बैठक में शामिल हुए वहीं रूस की तरफ़ से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव बैठक में मौजूद रहे। यह बैठक रूस–यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई को रोकने के मुख्य मकसद से बुलाया गया था लेकिन इस वार्ता में यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की या यूक्रेन के किसी भी प्रतिनिधि को नहीं बुलाया गया था। शांति का मसीहा होने का दावा करते घूम रहे ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए पुतिन ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि, रूस यूक्रेन में चल रहे संघर्ष (युद्ध) को खत्म करने में ईमानदारी से रुचि रखता है लेकिन किसी टिकाऊ समझौते के लिए पहले इस संघर्ष के मूल कारणों को समझना होगा। उन्होंने युद्ध को एक त्रासदी भी बताया। रूसी राष्ट्रपति ने ट्रंप की मौजूदगी में पश्चिमी देशों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि शांति प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा या नुकसान न पहुंचाया जाए। व्हाइट हाउस में कई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को अपने बगल में बैठाकर बेइज्जत करने वाले ट्रंप के लिए पुतिन के ये तेवर किसी बड़े झटके से कम नहीं थे। पुतिन ने अपने बयानों से ट्रंप सहित पूरी दुनिया को बता दिया कि रूस–यूक्रेन लड़ाई का मूल कारण अमेरिका और नाटो देशों द्वारा यूक्रेन को भड़का कर उसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ करने की साजिश है। उन्होंने अपने बयानों से यह स्पष्ट कर दिया कि लड़ाई रोकने के लिए अमेरिका को हर हाल में रूस के खिलाफ रचे जा रहे षड्यंत्रों को रोकना ही होगा। आखिर में ट्रंप को भी यह कहना पड़ा कि, ष्कोई समझौता तब तक नहीं होता, जब तक असल में समझौता नहीं हो जाता और हम वहां तक नहीं पहुंचेष।

गानों के लिए नहीं मिलते पैसे..म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर कनिका कपूर का बड़ा खुलासा, कहा- सॉन्ग के बदले सिर्फ 101 रुपये..

आज जब फिल्में करोड़ों के बजट में बनती हैं और लीड एक्टर्स को भारी भरकम फीस दी जाती है, वहीं उसी फिल्म की जान कहे जाने वाले गानों के सिंगर्स को बेहद मामूली या शून्य भुगतान किया जाता है। ऐसा कहना है बेबी डॉल सॉन्ग फेम सिंगर कनिका कपूर का। जी हा, हाल ही में एक पॉडकास्ट में शामिल हुईं कनिका ने इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर चौंकाने वाली बात शेयर की। उनके इस खुलासे ने इंडस्ट्री की आर्थिक असमानता पर नई बहस छेड़ दी है। कनिका ने ये बातें सोशल मीडिया पर्सनालिटी उर्फी जावेद के पॉडकास्ट में शेयर कीं। बातचीत के दौरान उर्फी ने कनिका से उनके एक वायरल गाने को लेकर सवाल किया, जिस पर कनिका ने चौंकाने वाला जवाब दिया। उन्होंने साफ कहा, षिंगर्स को वाकई में गानों के लिए पैसे नहीं दिए जाते। मैं आपको अपने सारे कॉन्ट्रैक्ट्स दिखा सकती हूं। गाने के बदले सिर्फ 101 रुपये मिलते हैं। और वो भी इस अंदाज में जैसे वो हम पर कोई एहसान कर रहे हों। इतना ही नहीं, कनिका ने यह इशारा किया कि भारत के सबसे बड़े सिंगर्स में से एक को भी अपने सुपरहिट गानों के लिए सही भुगतान नहीं मिला है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका कहना था कि ना फीस मिलती है, ना रॉयल्टी, और ना ही कोई पब्लिशिंग स्ट्रक्चर। भारत में आज भी सिंगर्स के लिए ये व्यवस्था बिल्कुल अस्तित्व में नहीं है। कनिका कपूर ने बताया कि अधिकांश सिंगर्स की कमाई का असली स्रोत लाइव शोज और परफॉर्मेंस होते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपकी आवाज चल रही है और आप स्टेज परफॉर्म कर सकते हैं, तभी आप पैसे कमा सकते हैं। जब तक आप शो कर पा रहे हैं, तब तक ही आपकी कमाई है। कल को कुछ हो जाए, तो कोई भी पेंशन या सिक्योरिटी नहीं है। कनिका कपूर ने कई बड़ी फिल्मों के लिए प्लेबैक किया है, जिनमें रागिनी एमएमएस 2 (बेबी डॉल), हैप्पी न्यू ईयर, रॉय, एक पहेली लीला और ऑल इज वेल शामिल हैं। इन गानों ने उन्हें एक के बाद एक सुपरहिट सिंगर बना दिया।

> हाल ही में एक पॉडकास्ट में शामिल हुईं कनिका ने इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर चौंकाने वाली बात शेयर की। उनके इस खुलासे ने इंडस्ट्री की आर्थिक असमानता पर नई बहस छेड़ दी है। कनिका ने ये बातें सोशल मीडिया पर्सनालिटी उर्फी जावेद के पॉडकास्ट में शेयर कीं।

बच्चों के लिए डांस अकैडमी खोलना चाहती हैं नोरा फतेही, सोशल मीडिया पर जाहिर की दिल की ख्वाहिश

एक्ट्रेस नोरा फतेही अपनी एक्टिंग से ज्यादा डांसिंग टैलेंट को लेकर जानी जाती हैं। उनके शानदार डांस मूव्स की दुनिया दीवानी है। ऐसे में हाल ही में ये डांसिंग क्वीन मुंबई के कुछ डांसिंग स्टूडियोज में पहुंची, जहां उन्होंने सभी स्टूडेंट्स संग अपने नए गाने ओह मामा टेटमा पर डांस किया और कोरियोग्राफी भी सिखाई। इस सबके बीच नोरा ने अपने सपने का भी जिक्र किया। नोरा ने मुंबई के कुछ डांसिंग स्टूडियो में अपने फैंस से मुलाकात की, जहां उन्होंने उनके डांसिंग स्किल्स को भी जाना और परखा। इसके बाद उन्होंने अपनी इंस्टा पोस्ट में भी डांसिंग स्टूडियो को देखकर लिखा कि अब वो भी अपनी डांसिंग अकैडमी खोलना चाहती हैं। नोरा ने लिखा, ये चीज मुझे मेरी खुद की डांसिंग अकैडमी डांस विद नोरा जल्द से जल्द खोलने पर मजबूर कर रही है। आपके प्यार के लिए शुक्रिया। आपसे मिलकर मुझे बहुत लकी महसूस हुआ। नोरा फतेही का गाना ओह मामा टेटमा यूट्यूब पर खूब ट्रेंड कर रहा है। वहीं, उनकी अगली फिल्म साउथ की कंचना 4 जल्द ही रिलीज होगी जिसमें वो एक्टिंग करती नजर आएंगी। इसके अलावा नोरा, संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी की कन्नड़ फिल्म केडी में भी दिखाई देंगी।

केबीसी 17 को मिला पहला करोड़पतिः उत्तराखंड के आदित्य कुमार ने जीते 1 करोड़,आखिरी सवाल पर अड़ा है पेच

महानायक अमिताभ बच्चन के क्वीज बेस्ड रियालिटी शो कौन बनेगा करोड़पति का 17वां सीजन टेलीकास्ट हो रहा है। 11 अगस्त से इस पॉपुलर शो की शुरुआत हुई और एक ही हफ्ते के अंदर कौन बनेगा करोड़पति का पहला करोड़पति मिल गया है। जी हां, शो में हॉट सीट पर उत्तराखंड के आदित्य कुमार विराजमान हैं और उन्होंने एक करोड़ का सही जवाब देकर करोड़पति बनने का पहला पड़ाव पार कर लिया है। सोनी टीवी ने एक्स पर कौन बनेगा करोड़पति का 17वें सीजन का प्रोमो शेयर किया है जिसमें आदित्य कुमार हॉट सीट पर बैठे दिख रहे हैं। प्रोमो में अमिताभ बच्चन ऐलान करते हैं कि आदित्य ने 1 करोड़ का सही जवाब देते हुए करोड़पति बनने का पहला पड़ाव आसानी से पार कर लिया है। शो के प्रोमो में देखा जा सकता है कि उत्तराखंड के आदित्य कुमार को अपकमिंग एपिसोड में आखिरी सवाल से सामना होगा। वो 7 करोड़ के सवाल पर फंसतचे दिख रहे हैं लेकिन हॉट सीट पर बैठे इस जांबाज कंटेस्टेंट ने आखिरी पड़ाव पर अग्निपरीक्षा देने का फैसला किया। वो कहते दिख रहे हैं कि वो रिस्क उठाएंगे। कंटेस्टेंट आदित्य कुमार केबीसी के मंच तक पहुंचने के अपने सफर के बारे में भी बात करते दिख रहे हैं। वो अमिताभ बच्चन को बताते हैं कि वो केबीसी के मंच तक आखिर कैसे पहुंचे और कॉलेज के दिनों से ही इस क्विज शो पर आना उनका सपना था। एक बार कॉलेज के दिनों में उन्होंने शो में सेलेक्ट होने को लेकर प्रैंक किया था। उन्होंने अपने सभी दोस्तों से कहा था कि वो केबीसी में सेलेक्ट हो गए हैं और लगभग एक हफ्ते तक उन्होंने इस मजाक को जारी रखा था। शो के वीडियो शूट के लिए उनके दोस्तों ने नए कपड़े तक सिलवा लिए थे और बार–बार पूछे जाने पर उन्होंने आखिरकार खुलासा किया था कि वो शो में सेलेक्ट नहीं हुए हैं। अब जब आखिरकार आदित्य कुमार केबीसी 17 के लिए सेलेक्ट हुए, तो उनके दोस्तों को यकीन ही नहीं हो रहा था। खैर अब उनका सामना अपकमिंग एपिसोड में 7 करोड़ के सवाल से होगा और ये देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या वो 7 करोड़ का सही जवाब देकर शो के विजेता बन पाएंगे।

अनिल शर्मा और अमीषा पटेल के बीच हुई सुलह? गदर 3 की स्क्रिप्ट तैयार, सकीना के किरदार पर सस्पेंस बरकरार

गदर 2 की रिलीज़ के दौरान सार्वजनिक रूप से नाराज़ हुए अनिल शर्मा और अमीषा पटेल के बीच सुलह हो गई है। यह मतभेद तब पैदा हुआ जब अमीषा ने बिना उनकी जानकारी के फिल्म का क्लाइमेक्स बदले जाने पर खुद को श्ठगा हुआश महसूस किया। उन्हें सनी देओल अभिनीत इस फिल्म में एक बड़े रोल की उम्मीद थी। इसके जवाब में, अनिल ने एक इंटरव्यू में उन्हें श्मूडीश कहा था, लेकिन साथ ही यह भी कहा था कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वह अब भी उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं। गदर 2 की रिलीज़ के दौरान फिल्म निर्माता अनिल शर्मा और अभिनेत्री अमीषा पटेल के बीच शुरू हुआ तूफ़ानी अध्याय समय के साथ धीरे–धीरे सुलझता दिख रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके समीकरण में सुधार हुआ है, अनिल शर्मा ने न्यूज 18 शोशा को बताया षअमीषा के साथ मेरा समीकरण अब बहुत अच्छा है। वक्त के साथ–साथ सब चीजें सही हो जाती हैं। अभी सब बढ़िया है! हालाँकि, रिपोर्ट्स की मानें तो अमीषा पटेल ने एक और शर्त रखी है – वह सकीना का किरदार तभी निभाएँगी जब तारा सिंह के साथ उनकी प्रेम कहानी कहानी का केंद्रबिंदु बनी रहे। इस बारे में पूछे जाने पर, अनिल ने जवाब दिया, सकीना और तारा गदर का अभिन्न अंग हैं। लेकिन हम गदर 3 की रिलीज़ से पहले उनके किरदार के बारे में और बात करेंगे। इस बीच, अमीषा इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाने से नहीं हिचकिचाईं। एक्स पर एक चौट सेशन में, उन्होंने स्वीकार किया कि उनके बीच श्रचनात्मक मतभेदश हैं और स्पष्ट किया कि वह गदर 3 के लिए तभी प्रतिबद्ध होंगी जब वह स्क्रिप्ट को लेकर 'बेहद उत्साहित' महसूस करेंगी, ठीक वैसे ही जैसे वह मूल गदरः एक प्रेम कथा के लिए थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमीषा पटेल गदर 3 का हिस्सा होंगी, खासकर तारा और सकीना की प्रेम कहानी को लेकर उनकी स्थिति को देखते हुए, तो अनिल ने जवाब दिया, सकीना और तारा गदर का अभिन्न अंग हैं। लेकिन हम गदर 3 की रिलीज़ से पहले उनके किरदार के बारे में और बात करेंगे। बाद में मनीष पॉल के साथ एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए, उन्होंने आगे आरोप लगाया कि गदर 3 के क्लाइमेक्स के कुछ हिस्सों को उनकी भागीदारी के बिना फिल्माया गया था। फिर भी, उन्होंने यह भी कहा कि वह श्बीती बातों को भूल जानाश पसंद करती हैं। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे तीसरी किस्त तभी जारी करेंगी जब उचित कागजी कार्रवाई और संविदात्मक सुरक्षा उपाय लागू कर दिए जाएंगे। अनिल शर्मा ने यह भी बताया कि गदर 3 की स्क्रिप्ट पहले ही लिखी जा चुकी है। उन्होंने कहा, गदर 3 ज़रूर बनेगी। हमने गदर 2 के आखिरी सीन में दर्शकों से वादा किया था कि उत्कर्ष (शर्मा) के किरदार जीते को बताया जाएगा कि वह सेना में भर्ती होने के लायक है। हमने फिल्म का अंत इस संदेश के साथ किया है – आगे भी जारी रहेगी।

गायक कन्हैया प्रसाद और राजेश प्रसाद ने नया गीत 'करले रक्तदान' किया लॉन्च

सामाजिक एकता को बढ़ावा देने और जीवन रक्षक कार्यों को प्रोत्साहित करने के एक प्रेरक कदम के रूप में, गायक कन्हैया प्रसाद और राजेश प्रसाद ने अपना नवीनतम गीत, करले रक्तदान लॉन्च किया है। यह रिलीज ब्रह्माकुमारीज फाउंडेशन द्वारा 23 और 24 अगस्त, 2025 को आयोजित एक बड़े रक्तदान कार्यक्रम से पहले हुआ है। जिसमे दिल्ली पश्चिम विहार की बी के सरिता दीदी और सोढ़ी नर्सिंग होम की एम डी डॉ कँवल सोढ़ी जी ने भी लोगो को जागरुक करने वाले इस गीत मे खुद शामिल होकर इस गीत को बढ़ावा दिया यही नहीं इस गीत को बिहार के कसबा जिला पूर्णिया में भी अखंड इंडिया फाउंडेशन के प्रेसिडेंट (प्रिन्स पंकज)और उनकी टीम द्वारा निर्धरित ब्लड डोनेशन कैंप के अवसर पर जगह जगह चलाया गया ताकि लोग जागरूक हो सके। इस गीत का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और सभी समुदायों के लोगों को एकजुट होकर रक्तदान जैसे नेक कार्य में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, कन्हैया प्रसाद ने मानवता की सेवा में एकता के महत्व पर जोर दिया और नागरिकों से सामाजिक बंधनों को तोड़ने और जीवन बचाने में योगदान देने का आग्रह किया। कस्बा पूर्णिया में जन्मे और पले–बढ़े कन्हैया प्रसाद और उनका पूरा परिवार 1987 में बिहार में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद दिल्ली आ गए। संगीत के प्रति उनका जुनून बचपन से ही था, और तब से वे आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए अपनी आवाज का इस्तेमाल करने के लिए जाने जाते हैं। उनका सांग ब्रह्मा कुमारी फाउंडेशन माउंट अबू में भी लोगो को जागरूक करने के लिए चलाया गया दिल्ली पश्चिम विहार के आनंद भवन सेंटर में भी 23&24 अगस्त को ब्लड डोनेशन का कैंप आयोजित किया जायेगा जिसमे बी के रमेश भाई और बी के सुषमा दीदी द्वारा लोगो को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने का भरसक प्रयास भी हो रहा है 23 अगस्त 2025 को राज्ययोगिनी दादी प्रकाशमानी की 18 वीं पुण्य स्मृति को माउंट अबू ब्रह्मा कुमारी मैन ब्रांच में भी ब्लड डोनेशन सिविर लगाया जायेगा जहाँ से देश विदेश सभी जगह लोगो को रक्तदान के लिए जागरूक किया जायेगा।

> सामाजिक एकता को बढ़ावा देने और जीवन रक्षक कार्यों को प्रोत्साहित करने के एक प्रेरक कदम के रूप में, गायक कन्हैया प्रसाद और राजेश प्रसाद ने अपना नवीनतम गीत, करले रक्तदान लॉन्च किया है। यह रिलीज ब्रह्माकुमारीज फाउंडेशन द्वारा २३ और २४ अगस्त, २०२५ को आयोजित एक बड़े रक्तदान कार्यक्रम से पहले हुआ है।

झड़ते बालों से पाएं छुटकारा, घर पर बनाएं प्याज का जादुई तेल

प्याज का तेल काफी अच्छा और फायदेमंद होता है। आप किसी भी टेक्सचर के बालों में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको प्याज का तेल बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

अधिकतर लोग बाल झड़ने और टूटने की समस्या से परेशान रहते हैं। जिसके लिए लोग तरह–तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप बालों को टूटने और झड़ने से बचाने के लिए घरेलू नुस्खा अपना सकते हैं। यह नुस्खा प्याज का तेल है। प्याज का तेल काफी अच्छा और फायदेमंद होता है। आप किसी भी टेक्सचर के बालों में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको प्याज का तेल बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि इसको बालों में कैसे अप्लाई करना है।

प्याज तेल के फायदे

बता दें कि प्याज में सल्फर, एंटी फंगल गुण और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। जोकि बालों को मजबूत बनाने के साथ ही हेयर ग्रोथ बढ़ाने में भी फायदेमंद होता है। प्याज का तेल बालों के स्कैल्प को हेल्दी रखने में सहायता करता है। इस तेल को बनाना काफी आसान होता है। आप चाहें तो इस तेल को स्टोर करके रख सकते हैं।

प्याज का तेल की सामग्री

प्याज– 2 बड़े

नारियल या सरसों का तेल– 1/2 कप

ऐसे बनाएं प्याज का तेल

प्याज को सबसे पहले कद्दूकस करके रखें।

अब प्याज को पैन में तेल के साथ धीमी आंच पर पकाएं।

इसको तब तक पकाएं, जब तक यह ब्राउन न हो जाए और इसमें खुशबू न आए।

फिर इस तेल को एक बोतल में छानकर रख लें।

ऐसे करें अप्लाई

सबसे पहले तेल को थोड़ा गर्म कर लें।

इसके बाद उंगलियों की सहायता से स्कैल्प पर हल्के हाथों से मसाज करें।

प्याज का तेल बालों की लंबाई पर भी लगाएं।

फिर कम से कम 1 घंटे या फिर पूरी रात तक छोड़ दें।

वहीं माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें।

आप सप्ताह में 2 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्याज की गंध को हटाने के लिए आप शैंपू के बाद सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह बालों की देखभाल का एक असरदार और नेचुरल तरीका होता है। ऐसे में अगर आप भी टूटते और झड़ते बालों से परेशान हैं, तो इस तेल को आजमाना चाहिए। आप चाहें तो प्याज का तेल बनाकर स्टोर कर सकते हैं। बालों में प्याज का तेल इस्तेमाल करने से किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।

गाय का दूध पीने से हो सकती है टाइप-1 डायबिटीज! जानिए क्या कहते हैं डॉक्टर्स

गाय का दूध भारतीय घरों में रोजाना इस्तेमाल होता है और इसे सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। लेकिन कुछ रिसर्च में यह सवाल उठाया गया है कि क्या गाय के दूध का प्रोटीन छोटे बच्चों में टाइप–1 डायबिटीज का खतरा बढ़ा सकता है? आइए जानें एक्सपर्ट्स क्या कहते हैं।

गाय का दूध और टाइप–1 डायबिटीज में क्या संबंध है?

टाइप–1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से अपनी ही इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर हमला कर देता है। इसकी वजह से शरीर इंसुलिन बनाना बंद कर देता है। डॉक्टरों के मुताबिक, इसकी कई वजह हो सकती हैं जैसे परिवार में डायबिटीज का इतिहास, वायरस संक्रमण, कुछ खास पर्यावरणीय कारण और संभावना यह भी है कि कुछ बच्चों में गाय के दूध का प्रोटीन ट्रिगर का काम कर सकता है।

डॉक्टर्स की क्या राय है?

"कुछ शोध बताते हैं कि गाय के दूध का प्रोटीन कुछ बच्चों के इम्यून सिस्टम को इस तरह एक्टिव कर सकता है कि वह गलती से पैनक्रियास की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं पर अटैक कर दे। लेकिन इस बारे में अभी तक कोई पक्की या ठोस रिसर्च नहीं है।" यानी, ये एक संभावना है, लेकिन इसका कोई निश्चित सबूत अभी तक नहीं मिला है।

गाय के दूध में कौन से प्रोटीन होते हैं?

गाय के दूध में मुख्य रूप से दो तरह के प्रोटीन होते हैं

कैसीन

व्हे

ये दोनों ही प्रोटीन सामान्यतः सुरक्षित होते हैं। लेकिन जिन बच्चों का इम्यून सिस्टम ज्यादा संवेदनशील होता है या जिनमें खास जेनेटिक बदलाव होते हैं, उनमें ये प्रोटीन इम्यून रिएक्शन पैदा कर सकते हैं। यही इम्यून रिएक्शन टाइप–1 डायबिटीज की एक वजह बन सकता है।

छोटे बच्चों में क्यों ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है?

जो बच्चे बहुत छोटे होते हैं (जिनका पाचन और इम्यून सिस्टम पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ होता), अगर उन्हें जल्दी गाय का दूध या उससे बना फॉर्मूला मिल जाता है, तो उनमें यह रिस्क थोड़ा बढ़ सकता है। इसीलिए डॉक्टर पहले 6 महीने तक सिर्फ मां का दूध देने की सलाह देते हैं।

मां का दूध

बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ाता है। बीमारियों से लड़ने में मदद करता है और भविष्य की कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाता है।

बड़े बच्चों और बड़ों के लिए क्या यह चिंता की बात है?

बिलकुल नहीं। अगर कोई बच्चा बड़ा हो गया है या आप वयस्क हैं, तो संतुलित मात्रा में गाय का दूध पीने से टाइप–1 डायबिटीज का खतरा नहीं होता। लेकिन यदि किसी को दूध से एलर्जी है या लैक्टोज इन्टॉलरेंस है, तो जरूर सतर्क रहना चाहिए।

दूध कितनी मात्रा में पीना चाहिए?

सामान्य तौर पर, एक वयस्क के लिए रोजाना 1–2 गिलास दूध या उतनी ही मात्रा में दही,पनीर लेना सुरक्षित है।

बहुत अधिक दूध पीने से

वजन बढ़ सकता है

पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं

या डाइट में ज्यादा सैचुरेटेड फैट आ सकता है

ध्यान रखें: दूध से डायबिटीज नहीं होती, लेकिन किसी भी चीज की अति से नुकसान हो सकता है।

गाय का दूध पोषण से भरपूर है और ज्यादातर लोगों के लिए फायदेमंद होता है। कुछ रिसर्च में संकेत मिला है कि गाय के दूध का प्रोटीन कुछ छोटे बच्चों में टाइप–1 डायबिटीज का जोखिम बढ़ा सकता है, लेकिन इस पर अभी और शोध की जरूरत है। इसलिए छोटे बच्चों को शुरुआती 6 महीने सिर्फ मां का दूध देना सबसे अच्छा है। बड़े बच्चों और वयस्कों के लिए संतुलित मात्रा में दूध पूरी तरह सुरक्षित है। याद रखें कोई भी आहार हेल्दी तभी माना जाता है जब उसे संतुलन में लिया जाए। अगर आप या आपके बच्चे को दूध पीने के बाद कोई समस्या होती है, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

खाने के बाद इस एक पत्ते को चबाएं, पाचन होगा तेज कब्ज से मिलेगी राहत, पेट की सूजन होगी कंट्रोल

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम स्वाद के चक्कर में अपनी सेहत, खासकर पाचन तंत्र की सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। अनियमित खानपान, फास्ट फूड, ज्यादा तला–भुना खाना और तनावपूर्ण दिनचर्या के कारण गैस, पेट फूलना, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। लेकिन आयुर्वेद और पारंपरिक भारतीय ज्ञान के अनुसार, एक साध् ारण सा पत्ता पान का पत्ता इन सबका समाधान बन सकता है। जो लोग खाने के बाद गैस, पेट फूलने या कब्ज की समस्या से परेशान रहते हैं, उन्हें भोजन के बाद एक पान का पत्ता चबाना चाहिए। यह एक पारंपरिक लेकिन अत्यध् िक प्रभावशाली तरीका है, जो पाचन को सुधारने में मदद करता है और पेट को हल्का महसूस कराता है।

पान का पत्ता कैसे करता है पाचन तंत्र को मजबूत?

पान के पत्ते में मौजूद प्राकृतिक तत्व लार के स्राव को बढ़ाते हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया मुंह से ही शुरू हो जाती है। इससे भोजन ठीक से चबता है और पेट में पाचन एंजाइम अधिक सक्रिय हो जाते हैं। यह प्रक्रिया भोजन के जल्दी पचने और गैस बनने से रोकने में मदद करती है।

गैस और ब्लोटिंग से राहत

खाने के बाद अगर आपको पेट भारी या फूला हुआ महसूस होता है, तो पान का पत्ता इसमें तुरंत राहत दे सकता है। इसके गुण गैस को कम करते हैं और आंतों में सूजन को नियंत्रित करते हैं। इससे पेट हल्का महसूस होता है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है।

एसिडिटी और जलन में असरदार

पान के पत्ते में एंटी–एसिडिक गुण होते हैं जो पेट की जलन और एसिडिटी को कम करने में सहायक होते हैं। यह पेट की अम्लता को संतुलित करता है और पाचन क्रिया को सामान्य बनाए रखता है। खासतौर पर तले–भुने या मसालेदार खाने के बाद यह बहुत उपयोगी साबित होता है।

कब्ज को दूर करने में रामबाण इलाज

पान का पत्ता आंतों की मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिससे भोजन तेजी से पचता है और मल आसानी से बाहर निकलता है। इससे कब्ज की समस्या में राहत मिलती है और पेट पूरी तरह साफ रहता है।

भूख बढ़ाने में सहायक

जिन लोगों को भूख नहीं लगती, उनके लिए भी पान का पत्ता एक असरदार उपाय है। यह लार और पाचन रसों के स्राव को बढ़ाकर भूख को उत्तेजित करता है। नियमित रूप से सेवन करने से भूख बढ़ती है और शरीर की पोषण ग्रहण करने की क्षमता सुधरती है।

ओरल हेल्थ और बैक्टीरिया से सुरक्षा

पान का सेवन न सिर्फ पाचन में बल्कि मुंह की सफाई और बैक्टीरिया से लड़ने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद तत्व मुंह की दुर्गंध, मसूड़ों की सूजन और बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। इससे ओरल हेल्थ बेहतर होती है और सांस भी ताजा रहती है।

नसों और दिमाग के लिए फायदेमंद

इस पत्ते के सेवन से नसों की जकड़न यानी नर्व स्टिफनेस कम होती है। यह न्यूरोलॉजिकल समस्याओं को भी कम करने की क्षमता रखता है। इसका सेवन दिमाग को शांत और सतर्क बनाता है, मूड सुधारता है और तनाव को कम करता है।

अस्थमा, स्किन और कैंसर में भी कारगर

पान का पत्ता अस्थमा के मरीजों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह सूजन को कम करता है। त्वचा संबंधी समस्याओं में भी यह असर दिखाता है इसे पीसकर घाव या फोड़े–फुंसी पर लगाया जा सकता है। साथ ही, इसमें एंटी–कैंसर गुण भी पाए गए हैं, जो इसे एक संपूर्ण औषधीय पत्ता बनाते हैं।

कैसे करें सेवन?

भोजन के बाद रोजाना 1 से 2 पान के पत्ते चबाना चाहिए। ध्यान रखें कि पान में तंबाकू या हानिकारक सुपारी न हो। सादा पान या उसमें गुलकंद, कत्था, हल्का चूना डालकर सेवन किया जा सकता है। यह पूरा तरह प्राकृतिक और सुरक्षित तरीका है। अगर आप गैस, कब्ज, एसिडिटी या भूख न लगने जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो पान का पत्ता आपके लिए एक सरल, सस्ता और असरदार उपाय हो सकता है। इसके नियमित सेवन से न सिर्फ पाचन तंत्र बेहतर होता है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है।

मानसून में नहीं फैलेगा आंखों का मेकअप, इन ट्रिक्स से पाएं 'स्मज-फ्री' लुक

जब भी बारिश का महीना आता है, तो हमारा काम भी काफी बढ़ जाता है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि हमें यह सोचने में समय लग जाता है कि आंखों के मेकअप को कैसे करें। क्योंकि इस मौसम में पसीना, चिपचिपाहट और ऑयली स्किन होने के कारण मेकअप ज्यादा समय तक नहीं टिकता है। जिनमें विंग्ड आईलाइनर या शिमरी आईशैडो सबसे पहले खराब होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आपका आई मेकअप फ्रेश और स्मज फ्री रहेगा।

पहले प्राइमर लगाएं

आई मेकअप लंबे समय तक टिका रहे, इसके लिए सबसे जरूरी आई प्राइमर होता है। क्योंकि यह न सिर्फ कलर को अच्छा दिखाता है, बल्कि क्रीजिंग और स्मजिंग से भी बचाता है। इसके लिए आप कोई हल्का और ऑयल फ्री प्राइमर चुन सकती हैं। जिससे की आंखों पर मेकअप अच्छे से टिक सके। आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से कलर चुन कर अपनी आंखों पर अप्लाई कर सकती हैं। इससे आपका आई मेकअप अच्छा लगेगा।

वॉटरप्रूफ प्रोडक्ट्स

मानसून में वॉटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करना चाहिए। आप काजल, आईलाइनर या मस्कारा कुछ भी लगाएं, वह सब वॉटरप्रूफ या फिर लॉन्ग लास्टिंग होना चाहिए। नॉर्मल प्रोडक्ट्स की तुलना में जेल, लिक्विड लाइनर और ट्यूबिंग मस्कारा लंबे समय तक टिकता है। वहीं बारिश के मौसम में वॉटकप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करने से यह कम फैलता है। इसलिए आपको आई मेकअप के लिए इन्हीं प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए।

मेकअप सेट करें

आईशैडो या लाइनर लगाने के बाद स्पेशल आई मेकअप सेटिंग स्प्रे या फिर हल्का सा ट्रांसलूसेंट पाउडर जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपका मेकअप लॉक हो जाता है। वहीं पसीने या बारिश में भी यह कम बहेगा। इसलिए मेकअप सेट होने से पहले आपको इन बातों का खास ध्यान रखना पड़ेगा।

सही फॉर्मूला चुनना जरूरी

मानसून में क्रीमी आईशैडो जल्दी फैल सकता है। ऐसे में पाउडर फॉर्मूला ज्यादा बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर आप क्रीमी आईशैडो लगाना चाहती हैं, तो उसके ऊपर उसी रंग का पाउडर आईशैडो अप्लाई करें। इससे आपका मेकअप सेट रहेगा।

संक्षिप्त

OpenAI ने भारत में 399 रुपये प्रति माह की 'ChatGPT GO' सदस्यता पेश की

ओपनएआई ने भारत में चौटजीपीटी गो की घोषणा की है जिसकी सदस्यता 399 रुपये प्रति महीने से शुरू होती है। कंपनी ने घोषणा की कि सभी चौटजीपीटी सदस्यता का भुगतान यूपीआई के माध्यम से किया जा सकेगा, जिससे समूचे भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए ओपनएआई के उन्नत एआई उपकरणों तक पहुंच आसान हो जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''ओपनएआई, चौटजीपीटी गो की शुरुआत कर रहा है, जो एक नई सदस्यता योजना है। इसे समूचे भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए उन्नत एआई उपकरणों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए तैयार किया गया है, क्योंकि ओपनएआई के उपकरणों को अपनाने की प्रवृत्ति पूरे देश में तेजी से बढ़ रही है।'' नई योजना मौजूदा सदस्यता स्तरों के अतिरिक्त है, जिसमें चौटजीपीटी प्लस (1,999 रुपये प्रति माह) शामिल है। उन पेशेवरों एवं उद्यमों के लिए जिन्हें उच्च पैमाने, अनुकूलन एवं सबसे उन्नत मॉडल तक पहुंच की आवश्यकता है उनके लिए ओपनएआई के पास चौटजीपीटी प्रो (19,900 रुपये प्रति माह) है। भारत चौटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। चौटजीपीटी के उपाध्यक्ष एवं प्रमुख निक टर्ली ने कहा कि ओपनएआई इस बात से प्रेरित है कि भारत में लाखों लोग सीखने, काम करने, रचनात्मकता और समस्या का समाधान तलाशने के लिए प्रतिदिन चौटजीपीटी का इस्तेमाल करते हैं। टर्ली ने कहा, ''चौटजीपीटी गो के साथ हम इन क्षमताओं को और भी अधिक सुलभ बनाने तथा यूपीआई के माध्यम से भुगतान को और भी आसान बनाने के लिए उत्साहित हैं।'' मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने इस महीने की शुरुआत में कहा था अमेरिका के बाद भारत वर्तमान में ओपनएआई का सबसे बड़ा बाजार है और जल्द ही वैश्विक स्तर पर यह इसका सबसे बड़ा बाजार बन सकता है। ऑल्टमैन ने कहा था, '' अमेरिका के बाद भारत दुनिया में हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और यह हमारा सबसे बड़ा बाजार बन सकता है। यह अविश्वसनीय रूप से तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही उपयोगकर्ता कृत्रिम मेधा (एआई) का जिस तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, भारत के नागरिक जैसे इसका उपयोग कर रहे हैं, वह वाकई बेहद अदभुत है।

ब्लूस्टोन ज्वेलरी का शेयर गिरावट के साथ सूचीबद्ध होने के बाद संभला

ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 517 रुपये से करीब दो प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। हालांकि बाद में इसमें तेजी दर्ज की गई। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 1.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 508.80 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में इसमें तेजी आई और यह 3.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 533.25 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई में शेयर ने 1.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 510 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की। हालांकि जल्द ही वापसी करता हुआ 3.28 प्रतिशत की बढ़त के

साथ 534 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,024.52 करोड़ रुपये रहा। ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत बुधवार को 2.70 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपने 1,540.65 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 492–517 रुपये प्रति शेयर तय किया था।

सरकार ने 30 सितंबर तक कपास के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दी, जानिए क्या है फैसले का कारण

नई दिल्ली। सरकार ने 30 सितंबर तक कच्चे कपास के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दे दी है। सरकार ने कपड़ा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चे माल कपास की बाजार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है। कपास पर अब तक 11 प्रतिशत आयात शुल्क के साथ–साथ कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) भी लगता था। वित्त मंत्रालय की 18 अगस्त की अधिसूचना के अनुसार, शुल्क छूट 19 अगस्त से

प्रभावी होगी और 30 सितंबर तक लागू रहेगी। आयात शुल्क समाप्त होने से कपड़ा क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है। घरेलू स्तर पर, इस क्षेत्र को जीएसटी व्यवस्था के तहत शुल्क व्युत्क्रमण का भी सामना करना पड़ रहा है। भारत की ओर से कपास आयात शुल्क में राहत ऐसे समय में दी गई है, जब कपड़ा क्षेत्र सहित भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में 50 प्रतिशत की भारी शुल्क दर का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी टैरिफ में मौजूदा 25 प्रतिशत शुल्क तथा अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है, जो 27 अगस्त से प्रभावी होगा। यह शुल्क भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद पर दंड के रूप में लगाया गया है।

एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान, गिल उपकप्तान, बुमराह भी खेलेंगे

मुंबई। एशिया कप टी20 के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में यह टीम इस टूर्नामेंट में उतरेगी। वहीं, शुभमन गिल भी यह टूर्नामेंट खेलते दिखेंगे। उन्हें उपकप्तान बनाया गया है। इससे पहले भारतीय टीम ने पिछली बार जब इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में टी20 खेला था तो उसमें शुभमन नहीं थे। शुभमन की इस टीम में वापसी हुई है। वहीं, जसप्रीत बुमराह पर भी सस्पेंस खत्म हो चुका है। वह भी एशिया कप में खेलते दिखेंगे। इसके अलावा टीम में वही खिलाड़ी हैं जो पहले टीम का हिस्सा रहे हैं। रिंकू सिंह जगह बनाने में कामयाब रहे हैं, जबकि श्रेयस अय्यर की एक बार फिर अनदेखी की गई है। भारतीय टीम में चार विशेषज्ञ बल्लेबाज हैं, जबकि चार ऑलराउंडर्स हैं। जितेश और सैमसन के रूप में दो विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, जबकि तीन विशेषज्ञ पेसर और दो विशेषज्ञ स्पिनर्स हैं। अगले साल टी20 विश्व कप होना है। उससे पहले टीम इंडिया लगभग 20 टी20 मैच खेलेगी।

बीसीसीआई ने अपडेट देते हुए बैठक की तस्वीर साझा की है। इस बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर समेत सभी चयनकर्ता और भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव मौजूद हैं। बैठक की अध्यक्षता बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया कर रहे हैं।

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव मुंबई स्थित बीसीसीआई हेडक्वार्टर पहुंच चुके हैं। थोड़ी ही देर में टीम का एलान हो सकता है।

भारत की राष्ट्रीय चयन समिति संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को जब 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी, तो उसके सामने एक मजबूत टी20 ढांचे में शुभमन गिल जैसे शानदार बल्लेबाज को फिट करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। इंग्लैंड दौरे ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले गिल के लिए नौ से 28 सितंबर तक होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम में जगह बनाना मुश्किल नजर आ रहा है। अजीत अगरकर और उनके सहयोगियों के लिए यह सबसे बड़ी पहेली होगी, लेकिन भारतीय क्रिकेट इस समय टी–20 प्रतिभाओं का कारखाना है, जिसमें कम से कम 30 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में आने के लिए तैयार हैं और एक

स्थान के लिए तीन से चार विकल्प उपलब्ध हैं।

बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष तीन स्थानों के लिए समान योग्यता रखने वाले छह क्रिकेटर उपलब्ध हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने पिछले सत्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन (आईपीएल सर्वाधिक रन बनाने के लिए ऑरेंज कैप विजेता) को भी उनसे कम करके नहीं आंका जा सकता। गेंदबाजी में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई के बीच एक स्थान के लिए संघर्ष है। इन सबमें सबसे चतुर खिलाड़ी युजवेंद्र चहल को लंबे समय से नज़रअंदाज़ किया जा रहा है, लेकिन चयनकर्ता केवल 15 खिलाड़ियों का ही चयन कर सकते हैं और टी–20 टीम के निर्णय लेने वाले पदों पर बैठे लोगों का दृष्टिकोण दिलचस्प है।

टीम प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण सदस्य का मानना है कि पिछले सत्र में नियमित रूप से अंतिम एकादश में शामिल रहे किसी भी खिलाड़ी को किसी बड़े स्टार को जगह देने के लिए टीम से बाहर करना सही नहीं होगा। दूसरी विचारधारा यह है कि भारतीय क्रिकेट सभी प्रारूपों में खेलने वाले एक कप्तान के साथ सही दिशा में आगे बढ़ता है जो उसका सबसे बड़ा मार्केटिंग ब्रांड भी बन जाता है। इस मामले में गिल सभी हितधारकों के लिए एक स्पष्ट विकल्प हैं।

सूर्यकुमार यादव के कुशल नेतृत्व में भारतीय टी20 टीम का रिकॉर्ड 85 प्रतिशत का है और उसने अपने पिछले 20 मैचों में से 17 में जीत हासिल की है। इनमें से किसी भी मैच में गिल और जायसवाल शामिल नहीं थे। पिछले एक साल में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त होने से पहले गिल और जायसवाल टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे और उन्होंने आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया। गिल दरअसल सूर्यकुमार के साथ उप कप्तान थे, लेकिन उन्हें टेस्ट मैचों के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से हटना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया था।

चयनकर्ता अगर गिल को 15 खिलाड़ियों में चुनते हैं तो उन्हें फिर अंतिम एकादश में भी रखना होगा, जिसका मतलब है कि संजू, अभिषेक या तिलक में से किसी एक को अपने बल्लेबाजी स्थान से समझौता करना होगा। शुभमन को टीम में शामिल करने का मतलब रिंकू सिंह को बाहर करना भी हो सकता है। इस बड़े हिटर ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के दौर में कोलकाता नाइट राइडर्स या भारत के लिए कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है।

अगर तेज गेंदबाजी विभाग की बात करें तो हार्दिक पांड्या एक बेहतरीन फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज हैं और जसप्रीत बुमराह तथा अर्शदीप सिंह का टीम में होना स्वाभाविक है, ऐसे में रिजर्व तेज गेंदबाज के स्थान के लिए तीन विकल्प हैं। इस स्थान के लिए हर्षित राणा पसंदीदा दिख रहे हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज दोनों को लाल गेंद का विशेषज्ञ माना जा रहा है।

भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान, शेफाली का चयन नहीं; रेणुका की वापसी

मुंबई। महिला वनडे विश्व कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय महिला टीम का एलान कर दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी और स्मृति मंधाना की उपकप्तानी में भारतीय टीम पहली बार खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। इस टीम में फिटनेस हासिल कर चुकी रेणुका सिंह ठाकुर की वापसी हुई है जबकि शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिला है।

भारत–श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे मुकाबले

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में इस साल महिला वनडे विश्व कप का आयोजन होगा। यह वैश्विक टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसका फाइनल मुकाबला दो नवंबर को खेला जाएगा। इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका के पांच शहरों में होंगे जिसमें बंगलूरू का एम चिन्नास्वामी, गुवाहाटी का एसीए स्टेडियम, इंदौर का होल्कर स्टेडियम, विशाखापत्तनम का एसीए–वीडीसीए स्टेडियम और कोलंबो का आर प्रेमादासा स्टेडियम शामिल है। इस वैश्विक टूर्नामेंट का आयोजन 12 साल बाद भारत में किया जाएगा। पहला सेमीफाइनल मुकाबला 29 अक्तूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में होगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल मैच 30 अक्तूबर को बंगलूरू में खेला जाएगा। फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमों को तैयारियों के लिए दो दिन का समय मिलेगा। महिला वनडे विश्व कप का खिताबी मुकाबला दो नवंबर को बंगलूरू या कोलंबो में खेला जाएगा। महिला वनडे विश्व कप में आठ टीमें हिस्सा लेंगी जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल हैं।

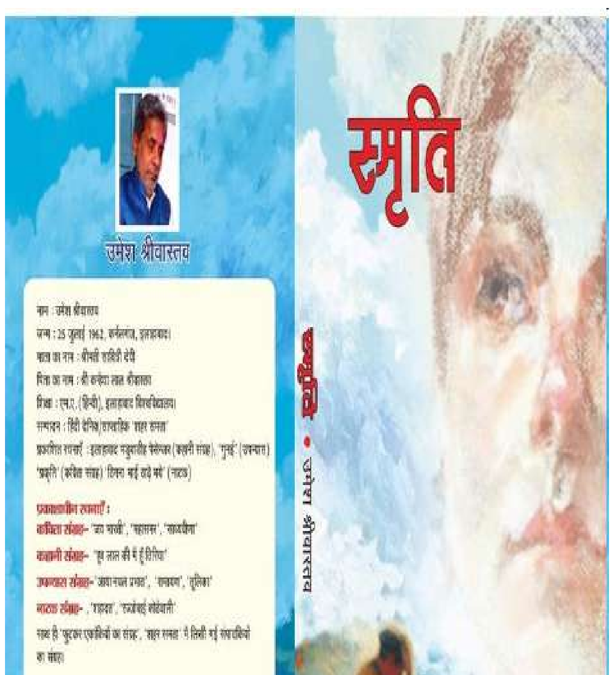

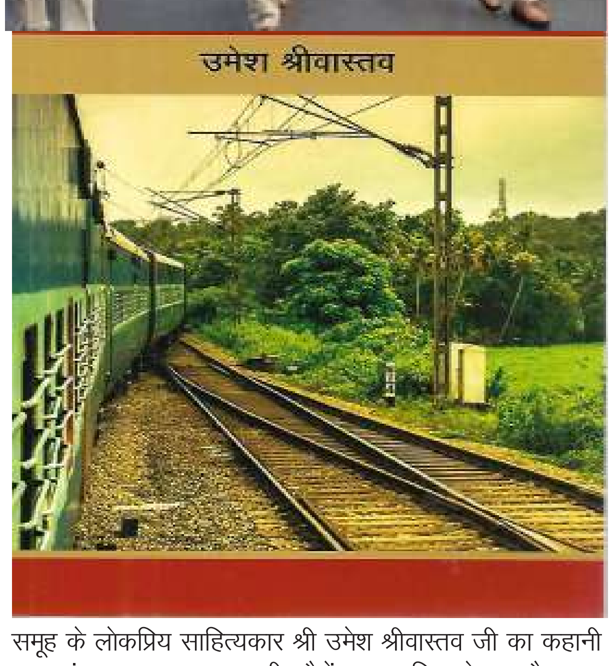

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

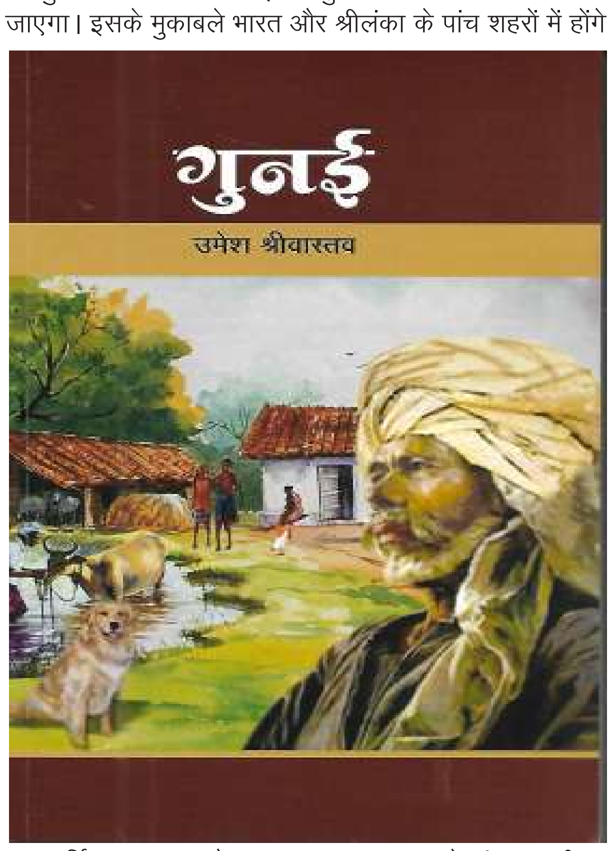

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

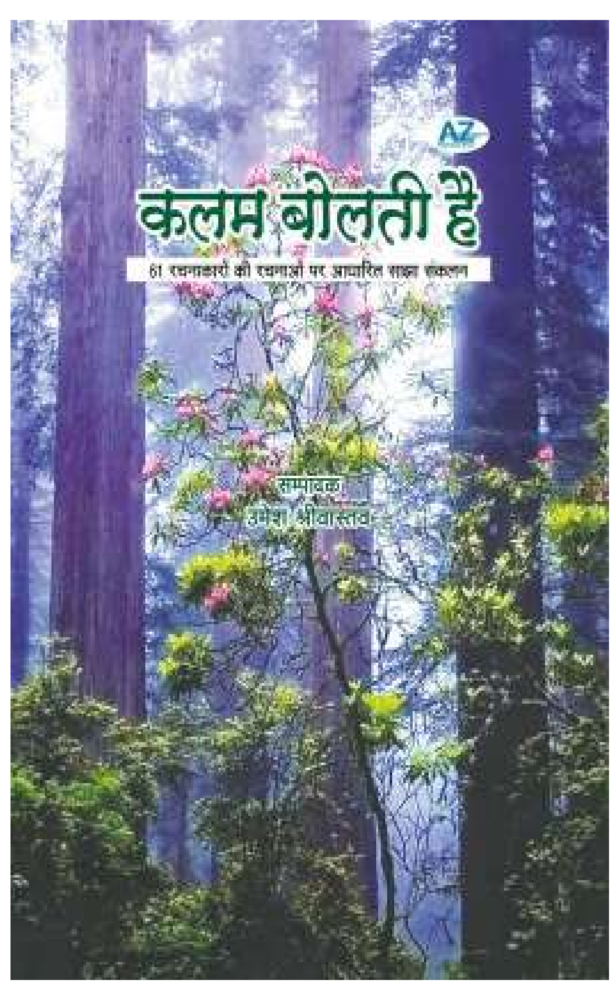

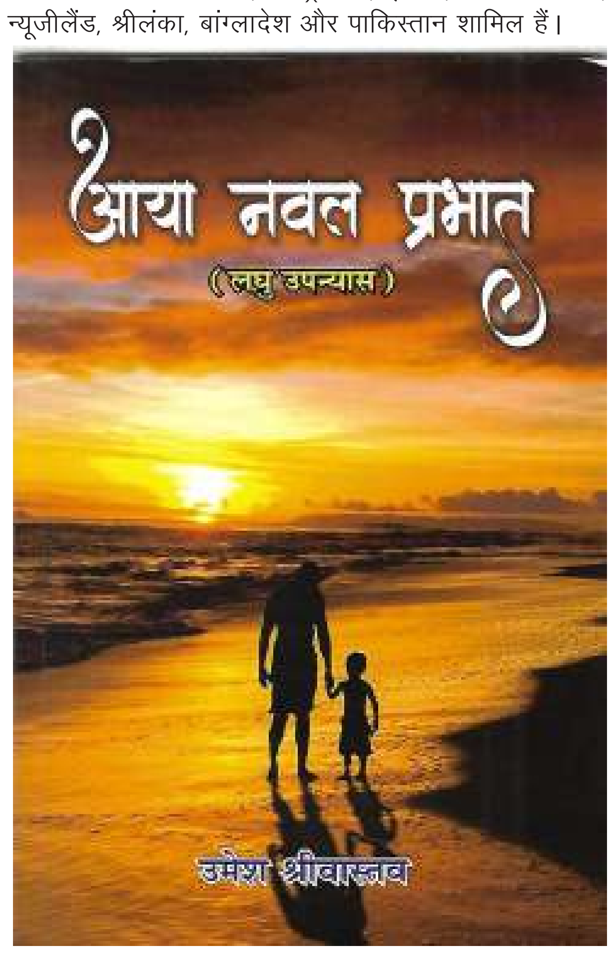

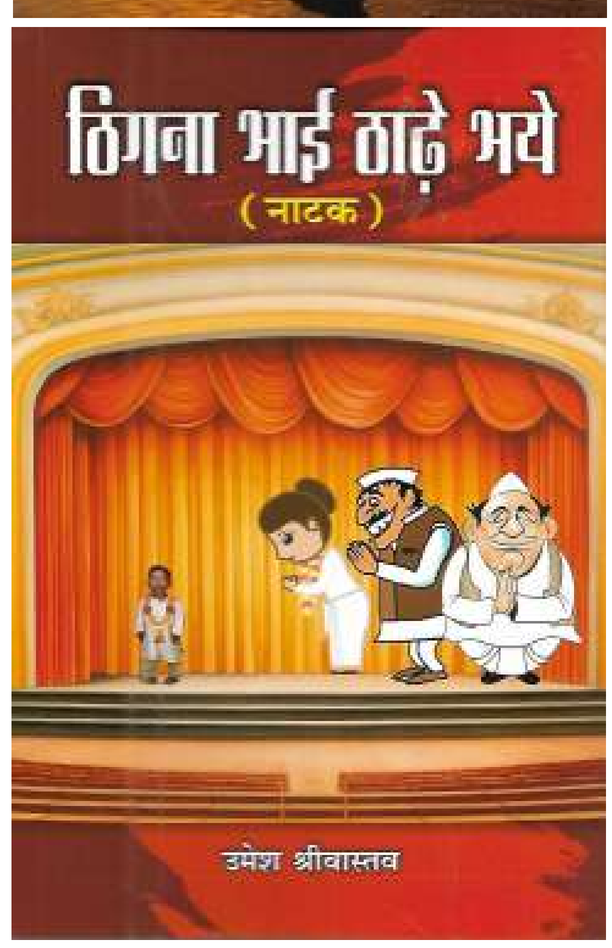

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

वांग यी की भारत यात्रा शुरू, जयशंकर ने भारत चीन के बीच तनाव कम करने पर ज़ोर दिया

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने सोमवार को भारत की दो दिवसीय यात्रा शुरू की, जहां वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा विवाद पर चर्चा करेंगे। वांग यी की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

प्रस्तावित चीन यात्रा, जिसमें वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, से कुछ दिन पहले हो रही है। दिल्ली हवाई अड्डे पर विदेश मंत्रालय के पूर्वी एशिया प्रभाग के संयुक्त सचिव गौरांगलाल दास ने उनका स्वागत किया। वांग यी की यह यात्रा मुख्य रूप से सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की अगली वार्ता के सिलसिले में हो रही है।

आखिरकार हमास ने टेक दिए घुटने, 60 दिनों के सीजफायर को तैयार, रखी ये शर्त

इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग को दो बरस बीतने वाले हैं। 7 अक्टूबर 2023 को ये जंग शुरू हुई थी। अब खबर आई है कि हमास सीजफायर के लिए तैयार है। फिलिस्तीन के अधिकारी ने अलजजीरा और बीबीसी जैसे संस्थानों से बताया है कि हमास अब सीजफायर के लिए तैयार है। गाजा युद्ध में हालात और भी भयावह हो गए हैं। फिलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक 62 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और डेढ़ लाख से ज्यादा घायल हुए हैं। मंत्रालय का कहना है कि लगभग दो हजार लोग मानवीय सहायता लेने की कोशिश में भी मारे गए। इस बीच हमास ने मिस्र और कतर की मध्यस्थता से पेश किए गए नए युद्धविराम प्रस्ताव को बिना किसी संशोधन के स्वीकार कर लिया है। प्रस्ताव में 60 दिन के युद्धविराम और बंधकों की दो चरणों में रिहाई की बात है। कतर और मिस्र की तरफ से मध्यस्थता कराई जा रही थी। काफी दिनों से सीजफायर के लिए दोनों देश लगे हुए थे। टू स्टेज कॉम्प्रिहेंसिव प्लान मीडिल ईस्ट में अमेरिका के राजदूत स्टीव विटकॉफ की देखरेख में तैयार हुआ है। इसके तरत इजरायल के बंधकों को हमास छोड़ेगा। बताया जाता है कि 50 बंधक हैं और इनमें से 20 जिंदा हैं। लेकिन इनमें से आधे यानी 10 बंधकों को छोड़ा जाएगा। इसके अलावा 60 दिनों का सीजफायर रहेगा उसमें चर्चा होगी कि किस तरह से पूरी तरह से सीजफायर लाया जाए। अभी भी कंप्लीट सीजफायर को लेकर बात चलती है लेकिन इजरायल इसके लिए तैयार नहीं है। आईडीएफ के चीफ के साथ इजरायल के प्रधानमंत्री की बहस चर्चा में रही थी। बताया जाता है कि आईडीएफ नहीं चाहती है कि वो गाजा पर कब्जा करे। लेकिन नेतन्याहू ऐसा कर रहे थे कि हम गाजा को कैप्टर करेंगे। फिर एक रिपोर्ट आई जिसमें कहा गया कि गाजा सिटी को कैप्टर किया जाएगा। अभी इजरायल चाहता है कि गाजा में डि-मिलिट्राइजेशन हो जाए। वहां पर कोई भी आर्मी न रहे। कोई भी फिलिस्तीन की की अथॉरिटी रहे। वहां की जो सरकार है उसमें हमास को कोई रोल न रहे। हालांकि सीजफायर को लेकर इजरायल की तरफ से कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ये हमास की ओर से फिलिस्तीन के माध्यम से जानकारी दी गई है।

युद्ध के दौरान मारे गए 383 सहायताकर्मी, यूएन ने सामने रखे गाजा में तबाही के आंकड़े

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय प्रमुख टॉम फ्लेचर ने दुनिया भर में सहायताकर्मियों की हत्याओं को अंतर्राष्ट्रीय निष्क्रियता और उदासीनता का शर्मनाक अभियोग बताया है। विश्व मानवीय दिवस के अवसर पर फ्लेचर ने कहा कि मारे गए मानवीयकर्मियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 31 प्रतिशत बढ़ गई है। गाज़ा में लगातार संघर्षों के कारण जहाँ 181 मानवीयकर्मी मारे गए और सूडान में जहाँ 60 लोगों ने अपनी जान गंवाई। फ्लेचर ने बताया कि पिछले वर्ष 383 सहायताकर्मी मारे गए, जिनमें से लगभग आधे गाज़ा में मारे गए। फ्लेचर ने कहा कि किसी भी मानवीय सहयोगी पर एक भी हमला हम सभी पर और उन लोगों पर हमला है जिनकी हम सेवा करते हैं। इस पैमाने पर और बिना किसी जवाबदेही के किए गए हमले अंतर्राष्ट्रीय निष्क्रियता और उदासीनता का शर्मनाक अभियोग हैं। अल जज़ीरा ने संयुक्त राष्ट्र का हवाला देते हुए बताया कि मारे गए ज़्यादातर लोग स्थानीय कर्मचारी थे जिन पर या तो ड्यूटी के दौरान या उनके घरों में हमला किया गया। फ्लेचर ने कहा कि मानवतावादी समुदाय के रूप में, हम फिर से माँग करते हैं कि सत्ता और प्रभाव वाले लोग मानवता के लिए काम करें, नागरिकों और सहायताकर्मियों की रक्षा करें और अपराधियों को जवाबदेह ठहराएँ। सहायता कर्मी सुरक्षा डेटाबेस, जो 1997 से संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों को संकलित करता आ रहा है, ने 2023 में 293 हत्याएँ दर्ज कीं। अल जज़ीरा के अनुसार, इस वर्ष के अनंतिम आँकड़े बताते हैं कि 14 अगस्त तक 265 सहायता कर्मी मारे जा चुके हैं। इस वर्ष की सबसे घातक घटनाओं में से एक 23 मार्च को दक्षिणी गाजा के शहर राफ़ा में हुई, जब इज़राइली सैनिकों ने भोर से पहले गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें स्पष्ट रूप से चिह्नित वाहनों में यात्रा कर रहे 15 चिकित्सक और आपातकालीन प्रतिक्रिया कर्मी मारे गए। इसके बाद इज़राइली सेना ने शवों और वाहनों पर बुलडोज़र चलाकर उन्हें एक सामूहिक कब्र में दफ़ना दिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

क्या अमेरिका में खत्म होगा मेल और EVM से मतदान, क्या है ट्रंप का प्लान?

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बार फिर चुनाव प्रक्रिया में बड़े बदलाव की बात कही। उन्होंने कहा कि वे डाक से मतदान (मेल वोटिंग) और वोटिंग मशीनों को खत्म कर देंगे। ट्रंप ने कहा कि वे 2026 के मध्यावधि चुनाव से पहले ईमानदार चुनाव सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए वे एक नया कार्यकारी आदेश लाने का दावा कर रहे हैं। लेकिन अमेरिका में संविधान के अनुसार राष्ट्रपति के पास ऐसा करने का सीधा अधिकार नहीं है। बता दें कि चुनाव व्यवस्था बदलने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस और राज्यों के पास है।

क्या है डोनाल्ड ट्रंप का प्लान?

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि अमेरिका में ख़ब्बा चुनावी फर्जीवाड़ा हो रहा है। उनका आरोप है कि मेल वोटिंग से धोखाधड़ी होती है और वोटिंग मशीनें भरोसेमंद नहीं हैं। हालांकि अमेरिका में चुनावी धोखाधड़ी बेहद कम है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार 2020 चुनाव के बाद समीक्षा में सिर्फ 475 संभावित मामले सामने आए, जो किसी भी तरह चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर सकते थे। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ही एकमात्र देश है जो मेल वोटिंग करता है, जबकि सच यह है कि जर्मनी, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन समेत कई देश इसे अपनाते हैं।

मेल वोटिंग पर ट्रंप का हमला

ट्रंप का सबसे बड़ा निशाना डाक से मतदान है। उनका कहना है कि सभी बैलेट चुनाव दिवस तक पहुंचने चाहिए, सिर्फ पोस्टमार्क होना काफी नहीं है। बता दें कि वॉशिंगटन और ओरेगन जैसे राज्य, जो पूरी तरह मेल वोटिंग से चुनाव कराते हैं, ट्रंप के आदेश के खिलाफ अदालत में जा चुके हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रपति को ऐसा निर्देश देने का अधिकार नहीं है।

वोटिंग मशीन पर भी ट्रंप का निशाना

ट्रंप ने दावा किया कि वोटिंग मशीनें बेहद महंगी हैं और इसकी जगह वाटरमार्क वाले कागज इस्तेमाल किए जा सकते हैं। बता दें कि अमेरिका में अधिकांश जगह पहले से ही बैलेट पेपर का इस्तेमाल होता है। वोटिंग मशीनें सिर्फ गिनती और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का काम करती हैं। वहीं वाटरमार्क वाले बैलेट धोखाधड़ी रोक सकते हैं, लेकिन वे गिनती की प्रक्रिया को तेज नहीं कर सकते।

अमेरिकी राष्ट्रपति की सीमित भूमिका

डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि राज्यों को संघीय सरकार यानी राष्ट्रपति की बात माननी होगी। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह संविधान की गलत व्याख्या है। अमेरिकी संविधान के अनुसार, चुनाव कराने की जिम्मेदारी राज्यों की होती है। कांग्रेस को अधिकार है कि वह संघीय चुनावों (राष्ट्रपति और कांग्रेस) के नियम तय करे। राष्ट्रपति को इस प्रक्रिया में कोई अधिकार नहीं दिया गया है।

अदालतें पहले ही लगा चुकीं रोक

बता दें कि ट्रंप ने पहले भी चुनाव से जुड़े कुछ आदेश जारी किए थे, लेकिन अदालतों ने तुरंत उन्हें रोक दिया। इस का कारण यह था कि राष्ट्रपति चुनाव नियम नहीं बना सकता। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर ट्रंप दोबारा आदेश लाते भी हैं तो उसका कोई असर नहीं होगा। असली बदलाव सिर्फ कांग्रेस के जरिए ही संभव है।

रिपब्लिकन पार्टी भी सहमत नहीं

हालांकि रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस में बहुमत में है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि वे ट्रंप के प्रस्ताव को मान लें। मशीनों को हटाना वोट गिनती को हफ्तों-महीनों तक टाल सकता है, जिससे रिपब्लिकन उम्मीदवारों का भी नुकसान होगा। मेल वोटिंग पहले दोनों दलों को मान्य थी। आज भी कई रिपब्लिकन-बहुल राज्य जैसे एरिजोना, फ्लोरिडा और यूटा मेल वोटिंग पर भरोसा करते हैं। वहीं विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिक भी मेल वोटिंग से ही मतदान करते हैं, जिन्हें वंचित करना मुश्किल होगा।

पूरे फोटो सेशन में जेब में हाथ, बदले-बदले दिखे तेवर

ट्रंप-जेलेंस्की मीटिंग में क्यों नाराज नजर आए मोदी के दोस्त मैक्रों?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब यूरोप और यूक्रेन को वो संदेश देना है जो रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरफ से टॉक लेकर उनकी प्रतिबद्धता है। जिसमें वो तमाम औपचारिकताएं निभा रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ उनके ये जेस्चर बता रहे हैं कि कुछ तो है जो उन्हें पसंद नहीं आया। डाले हुए थे। इस तरह के औपचारिक फोटो सेशन के दौरान इस तरीके का हाव भाव वाकिए सवालों को खड़ा करता है। मैक्रों जब कॉरिडोर से गुजर रहे थे तो उस समय से लेकर में लटके रहते हैं। लेकिन इस पूरे फोटो सेशन के दौरान मैक्रों का हाथ जेब में ही रहा। उनके चेहरे से एक्सप्रेशन भी गायब थे। वो किसी के साथ बातचीत करने या किसी की तरफ देखने अमेरिकी राष्ट्रपति को बताया गया। उसके बाद ऐसी मुलाकात रखी गई जिसमें सभी नेताओं को बुलाया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमीर जेलेंस्की के साथ साथ नाटो और यूरोपीय संघ के कई और नेता नजर आ रहे थे। लेकिन पूरी दुनिया की नजर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी पर जाकर टिक गई।

में भी कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे। जेलेंस्की के साथ यूरोप के 6 बड़े नेता भी ट्रम्प से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए वाइट हाउस पहुंचे हैं। इनमें ब्रिटिश पीएम स्टारमर, फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर मर्ज, फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब, ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वॉन व नाटो महासचिव रूटे शामिल हैं। जेलेंस्की के बाद ट्रम्प देर रात इन नेताओं से मिले। इससे पहले रविवार को ट्रम्प ने जेलेंस्की को कहा कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता नहीं मिलेगी साथ ही यूक्रेन को क्रीमिया में रूस का कब्जा मानना होगा।

दोनों ही ट्रंप जैसी महत्वपूर्ण शख्सियत यूरोपीय संघ और नाटो में नजर आती है। आज की तारीख में इमैनुएल मैक्रों का हाव-भाव बता रहे हैं कि इस बैठक में उन्हें कुछ अच्छा नहीं लग रहा है। एक तरफ पीस मैक्रों का ये फोटो शूट इसकी बानगी है। सभी नेताओं का फोटो शूट होना था। नाटो, यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ साथ यूरोप के बाकी देश भी इस फोटो शूट के लिए आगे बढ़ रहे थे। मैक्रों भी कतार में थे। लेकिन कुछ पीछे से चले आ रहे मैक्रों लगातार अपने जेब में फोटो शूट के खत्म होने तक उनका हाथ उनकी जेब में ही रहा। जब कभी भी इस तरीके का ऑफिशियल फोटो शूट होता है तो कोई भी नेता हाथ बाहर निकालकर बहुत ही संजीदगी के साथ फोटो शूट करता है। उनके हाथ या तो आगे की तरफ होते हैं या फिर खुले हवा

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास से घबराए किम जोंग, परमाणु क्षमता के विस्तार की दी धमकी

सिओल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों की आलोचना की। किम ने कहा कि वह अपने परमाणु बलों का तेजी से विस्तार करेंगे, ताकि विरोधियों का मुकाबला कर सकें। यह बयान उन्होंने उस समय दिया, जब वह अपने सबसे आधुनिक युद्धपोत का निरीक्षण कर रहे थे, जिसे परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकारी मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। किम जोंग ने सोमवार को पश्चिमी बंदरगाह नामपो का उस समय दौरा किया है, दक्षिण कोरिया और अमेरिका की कोरियाई प्रायद्वीप अब भी तकनीकी रूप से युद्ध की स्थिति में है। यह असैन्यीकृत क्षेत्र दो हिस्सों उत्तर और दक्षिण कोरिया में बंटा है। किम ने जिस युद्धपोत का निरीक्षण किया, उसका नाम चोए ह्योन है। यह 5000 टन वजन युद्धपोत अप्रैल में पहली बार सार्वजनिक किया गया था। किम ने कहा कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास शत्रुता और युद्ध की इच्छा को दर्शाता है। अभ इन सैन्य अभ्यासों में परमाणु तत्व भी शामिल हैं, जिससे उत्तर कोरिया को निर्णायक प्रतिक्रिया देनी होगी। उत्तर कोरिया की सरकारी एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, किम ने कहा कि

उत्तर कोरिया के चारों ओर की सुरक्षा स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है और मौजूदा सैन्य सिद्धांतों और अभ्यास में तेज बदलाव और परमाणु क्षमताओं का विस्तार जरूरी हो गया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार ने फिलहाल किम की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उनकी सरकार उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारने और बातचीत दोबार शुरू करने की इच्छुक रही है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने भी किम के युद्धपोत की क्षमता को लेकर कोई नई जानकारी

सेनाओं से बढ़ते खतरों के मद्देनजर अपनी तैयारियों को मजबूत करने के लिए वार्षिक ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास उल्ची फ्रीडम शील्ड शुरू किया। 11 दिन के इस सैन्य अभ्यास में कुल 21 हजार सैनिक शामिल हैं, जिनमें से 18 हजार दक्षिण कोरिया के हैं। इसमें कंप्यूटर-आधारित कमान पोस्ट अभियान और मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं। उत्तर कोरिया इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों को लंबे समय से आक्रमण की तैयारी बताता आया है। किम इन अभ्यासों को अक्सर अपने सैन्य परीक्षणों और परमाणु कार्यक्रम के विस्तार को जायज ठहराने के लिए इस्तेमाल करते हैं। साझा नहीं की है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैन्य अधिकारियों का कहना है कि उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया की बढ़ती परमाणु और मिसाइल हमले की धमकियों का मुकाबला करना है। इस अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हमले की रोकथाम और जवाब देने के लिए प्रशिक्षण शामिल होगा। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-ईरान जैसे हालिया युद्धों से भी सबक लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही अभ्यास में ड्रोन हमलों, जीपीएस बाधाओं और साइबर हमलों से निपटने की रणनीतियां भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में आम चुनाव की तैयारियां तेज, चुनाव आयोग ने कहा- इसी सप्ताह तय हो जाएगी रूपरेखा

ढाका। बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले आम चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। बांग्लादेश चुनाव आयोग ने कहा है कि इसी सप्ताह चुनावी कार्ययोजना और रूपरेखा की घोषणा कर दी जाएगी। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने फरवरी 2026 में आम चुनाव कराने का एलान किया था। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने कहा कि चुनावी रोडमैप का मसौदा तैयार कर लिया गया है और इसे अंतिम मंजूरी के लिए जल्द ही चुनाव आयोग को सौंप दिया जाएगा। यह योजना अंतर-विभागीय समन्वय और प्रासंगिक परिचालन मुद्दों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। हमें उम्मीद है कि हम इसे इसी सप्ताह अंतिम रूप देकर प्रकाशित कर देंगे। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां और प्रशासनिक अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में पहले से ही सक्रिय हैं। यदि हर कोई अपना काम जिम्मेदारी से करे तो कोई समस्या नहीं होगी। यदि सभी अपना कार्य पहले ही पूरा कर लें, तो मतदान प्रक्रिया अधिक सुचारू तथा समन्वित होगी।

पिछले साल अवामी लीग की गिर गई थी सरकार

जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गईं। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने देश में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने का वादा किया था। पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में राजनीतिक दल नए सिरे से आम चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

मुहम्मद यूनुस ने फरवरी 2026 में चुनाव की घोषणा की

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने घोषणा की थी कि देश में फरवरी 2026 में आम चुनाव होंगे। यह घोषणा 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी। इसके बाद नेशनल सिटिजन पार्टी के नेताओं ने अगले साल फरवरी में चुनाव बिना महत्वपूर्ण सुधारों और अंतरिम सरकार द्वारा शुरू किए गए मुकदमों के पूरा होने के बिना होने की संभावना को खारिज कर दिया गया था।

न्यूयॉर्क के बार में फायरिंग, दो बदमाशों समेत तीन की मौत; वर्जिनिया में भी गोलीबारी, दो की जान गई, 3 जख्मी

न्यूयॉर्क/वर्जिनिया। अमेरिका में रविवार और सोमवार को दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क सिटी और वेस्ट वर्जीनिया में हुई इन घटनाओं में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए हैं। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में हुई वारदात में दो फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके के टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज बार में रविवार सुबह हुई फायरिंग में तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें दो हमलावर भी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि 35 वर्षीय जैमेल चाइल्ड्स और 19 वर्षीय मार्विन सेंट लुईस के बीच विवाद हुआ और कुछ देर बाद दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चला दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।